VIKALP DE-ADDICTION & REHABILITATION CENTRE RUN AND MANAGED BY CCAA TRUST

This folder contains News Paper clippings, certificates and photographs of different occasions.

Scanned with CamScanner

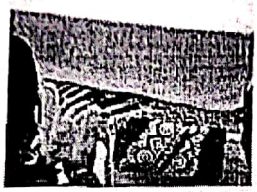

ग़ाज़ियाबाद। जीवन उदय नशा मुक्ति केंद्र साहिबाबाद में राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान द्वारा नशे पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य नशे के प्रति जागरूकता फैलाना है इसमें अनेक कार्यक्रमों के द्वारा नशा मुक्ति के प्रतीक सार्थक संदेश दिया गया जिसके अंतर्गत मुख्य वक्ता डॉ पुष्पा सिंह ने अपने वक्तव्य व कविता द्वारा बहुत अच्छा संदेश दिया नशा मुक्ति केंद्र के मरीजों द्वारा नाट्य प्रस्तुति से सभी प्रकार के नशे के बारे में सकारात्मक संदेश दिया गया जादूगर ने भी अपने शिक्षाप्रद आइटम दिखाकर नशे के प्रति सकारात्मक संदेश दिया इस कार्यक्रम में डॉ पुष्पा सिंह साहित्यकार, अनामिका राय प्रोजेक्ट डायरेक्टर एनआईएसडी, डॉ तकी इमाम समाजसेवी, प्रदीप गोयल संरक्षक, संजू बारिक (ए ए सी सी ट्रस्ट), अंकुर गिरी (एएसीसी ट्रस्ट) भी मौजूद रहे इस मौके पर संरक्षक प्रदीप गोयल ने अपने संबोधन में बताया कि नशा एक बीमारी है और जिसके उपचार के लिए जितना जल्दी हो सके हस्तक्षेप करना चाहिए इसके बाद उपस्थित सभी अतिथियों तथा प्रतिभागियों को जीवन उदय की तरफ से धन्यवाद किया गया

एनसीआर

Share To:

Next
« पुलिस मुठभेड के दौरान चार शातिर लुटेरे घायल/गिरफ्तार, कब्जे से दो ट्रक, एक कार तथा अवैध शस्त्र बरामद।

Previous
दनकौर के लोग प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकानों के निर्माण को लेकर जिलाधिकारी से दोबारा मिले,आशियाना बनाने की मांग। »

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

NCR EXPRESS NEWS

नशे की रोकथाम के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन। नशा एक बीमारी है और जिसके उपचार के लिए जितना जल्दी हो सके हस्तक्षेप करना चाहिए। प्रदीप गोयल

ON JANUARY 28, 2020 एनसीआर,

नशे की रोकथाम के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

नशे की रोकथाम के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

फोकस आवाज,
संवाददाता

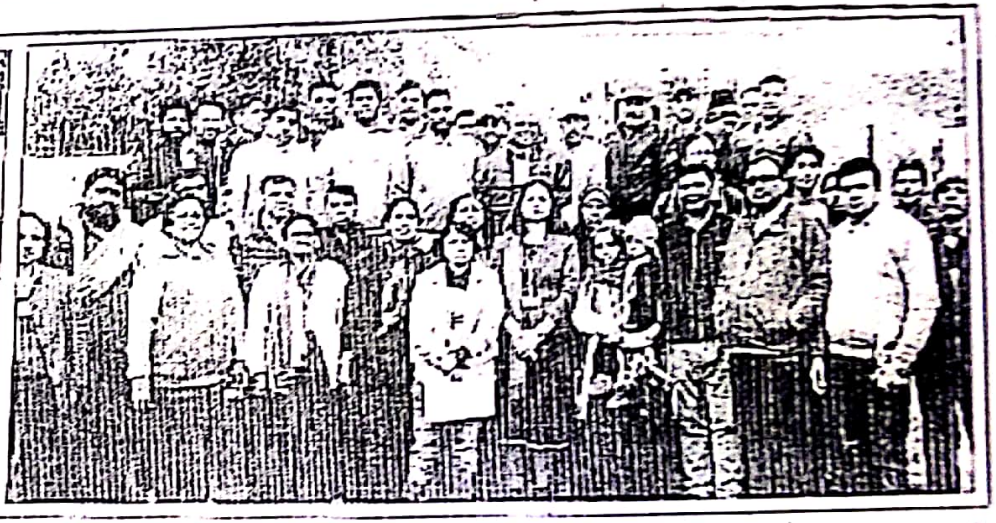

गाजियाबाद। जीवन उदय नशा मुक्ति केंद्र में राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान द्वारा नशे पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य नशे के प्रति जागरूकता फैलाना है इसमें अनेक कार्यक्रमों के द्वारा नशा मुक्ति के प्रतीक सार्थक संदेश दिया गया जिसके अंतर्गत मुख्य वक्ता डॉ कृष्ण सिंह ने अपने वक्तव्य व कविता द्वारा बहुत अच्छा संदेश दिया नशा मुक्ति केंद्र के मरीजों द्वारा नाट्य प्रस्तुति से सभी प्रकार के नशे के बारे में सकारात्मक संदेश दिया गया जादूगर ने भी अपने [illegible] आइटम दिखाकर नशे के प्रति सकारात्मक संदेश दिया इस कार्यक्रम में डॉ कृष्ण सिंह साहित्यकार, अनामिका राव प्रोजेक्ट डायरेक्टर एनआईएसडी, डॉ तकी [illegible] समाजसेवी, प्रदीप गोयल संरक्षक, [illegible] भी मौजूद रहे इस मौके पर संरक्षक प्रदीप गोयल ने अपने संबोधन में बताया कि नशा एक बीमारी है और जिसके उपचार के लिए जितना जल्दी हो सके हस्तक्षेप करना चाहिए इसके बाद उपस्थित सभी अतिथियों तथा प्रतिभागियों को जीवन उदय की तरफ से धन्यवाद किया गया।

4G 4G 2:08 Vo) LTE1 4G 67
Edit MPS 31

तो शुद्ध हवा मिल पाएगी और न ही पीने के लिए पानी। उन्होंने बच्चों को अपने घर व आसपास पौधरोपण करने की शपथ भी दिलाई।

ड्रग एब्यूज विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

गाजियाबाद। नंदग्राम स्थित कांशीराम राजकीय कॉलेज में मद्य निषेध विभाग द्वारा ड्रग एब्यूज विषय पर पोस्टर व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय कार्ययोजना के तहत युवाओं में मादक पदार्थ के सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति को कम करने के लिए विचार रखे गए। भाषण प्रतियोगिता में कला संकाय की छात्रा ईशा सैफी ने प्रथम स्थान, कॉमर्स संकाय की प्रिया उपाध्याय ने दूसरा, सत्यम कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में प्रिया उपाध्याय पहले, संजय दूसरे और राखी तीसरे स्थान पर रही। कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर अर्चना वर्मा ने सभी विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए छात्रों से अपील की वह खुद तो नशे से दूर रहें साथ ही जो लोग इससे ग्रसित हैं उन्हें भी कुरीति से दूर कराने में मदद करें।

Scanned with CamScanner

दैनिक जन सागर टुडे
दैनिक जन सागर टुडे
jansagartoday@gmail.com
सोमवार, 07 जनवरी, 2019

विकल्प ने मनाया स्थापना दिवस

जन सागर टुडे

साहिबाबाद। जीटी रोड साहिबाबाद स्थित विकल्प नशा मुक्ति केंद्र ने अपना 15वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर संस्थान के ट्रस्टी का भी जन्म दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत समारोह के मुख्य अतिथि एस आई गोविंद सिंह एवं जगदीश मलिक, के अलावा जिला मद्य निषेध अधिकारी अमिताभ यादव ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया।

इस अवसर पर केंद्र के कार्यकर्ता और मरीजों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संस्थान के ट्रस्टी प्रदीप गोयल ने बताया कि उन्होंने 6 जनवरी 2004 में अपने जन्म दिवस के अवसर पर इस केंद्र की स्थापना की थी। जिस में अब तक 3000 लोगों का इलाज हो चुका है और 900 लोग नशा मुक्त

होकर अपना सामान्य जीवन जी रहे हैं। वे स्वयं नशे के आदी थे और उन्होंने नशे को त्यागा तथा इलाज के दौरान एक स्वयं सेवक के रूप में अनेक काम किए। इसी दौरान उन्हें नशा मुक्त केंद्र खोलने की प्रेरणा मिली थी।

समारोह के मुख्य अतिथि तथा जिले के मद्य निषेध अधिकारी अमिताभ यादव ने बताया कि नशा बहुत बुरी चीज है इससे दूर रहना चाहिए। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी नशे से दूर रहने को प्रेरित करने की बात कही। समारोह का संचालन प्रतिभा कोटक ने किया।

Scanned with CamScanner

सोमवार 07 जनवरी 2019

हिन्दुस्तान

नशे से दूर रहने के लिए अपील की

ट्रांस हिंडन। साहिबाबाद स्थित विकल्प नशा मुक्ति केंद्र द्वारा रविवार को स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर केंद्र में नशा मुक्ति के लिए रह रहे लोगों ने कई रोचक और जानकारी देने वाले कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में आए लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मद्य निषेध अधिकारी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। काउंसलर प्रतिभा ने बताया कि नशे की लत को दूर करने में केंद्र पिछले 15 सालों से कार्यरत है। एक स्वस्थ समाज की रूपरेखा तैयार करने में समाज को नशामुक्त करना बेहद आवश्यक है।

हिन्दुस्तान ई-मेल : jobsearch@livehindustan.com

Scanned with CamScanner

गुरुवार 29 नवंबर 2018

हिन्दुस्तान

नशे से दूर रहना सिखाया

ट्रांस हिंडन। साहिबाबाद स्थित विकल्प नशा मुक्ति केंद्र में बुधवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस में डिएडिक्शन का कोर्स कर रहे 30 बच्चों ने भ्रमण किया। देश के विभिन्न राज्यों से आए इन छात्रों ने नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के संचालन के बारे में जानकारी लेते हुए कई जानकारियां प्राप्त कीं।

Scanned with CamScanner

नवभारत टाइम्स
NBT
Ghaz
THURSDAY, 29 NOVEMBER 2018

नशामुक्ति केंद्र का किया दौरा

नगर संवाददाता, टीएचए : साहिबाबाद स्थित विकल्प नशा मुक्ति केंद्र में बुधवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस में डि-एडिक्शन का कोर्स कर रहे बच्चों ने दौरा किया। देश के विभिन्न राज्यों से आए इन छात्रों ने नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के संचालन के बारे में जानकारियां प्राप्त कीं। संस्था से जुड़े प्रदीप गोयल ने बताया कि संस्था में आने वाले नशे के आदी लोगों को समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जाता है। इस दौरान सामाजिक उत्थान एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

Scanned with CamScanner

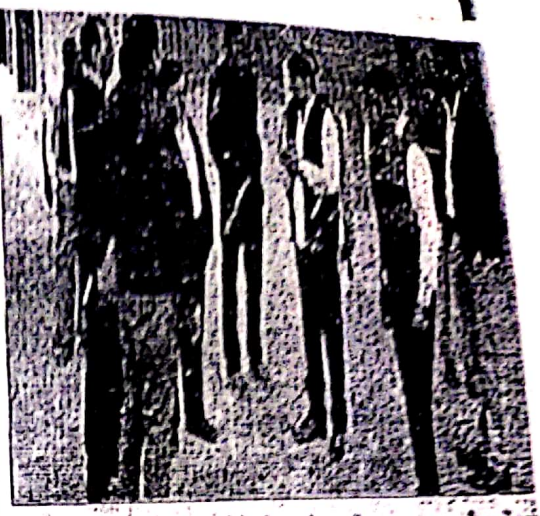

[illegible]

[illegible]

नशे के कारण गवां दिया हाथ, वजन हो गया था मुश्किल

'विकल्प' ने बचाई डॉक्टर तकी इमाम की जिंदगी

गाजी मोहम्मद सैफी

...प्रदेश के बिलासपुर ... डॉक्टर तकी इमाम ... नशे के आदी हो गए, नशाखोरी में ... उनका वजन मात्र ... किलो रह गया था और उनके ... जब वह कहते तो थे कि अब इनका बचना मुश्किल है तब विकल्प नाम के एक नशामुक्ति केंद्र जो नशे के आदी लोगों को नशे से दूर करने के लिए काम करता है उसने इन्हें दूसरी जिंदगी दी गौरतलब है कि डॉक्टर तकी इमाम जो पिछले 5 साल से इंजेक्शन के नशे से इतना ग्रस्त हो चुके थे कि 1 दिन में फोर्टविन नाम के 20 से 25 इंजेक्शन रोजाना लगाते थे हालत इतनी खराब हो गई कि इन इनके बदन ने काम करना बंद कर दिया था और इस नशाखोरी की वजह से उन्हें अपना एक हाथ भी गवाना पड़ा उन्होंने दिल्ली यूपी बॉर्डर पर विकल्प नाम के नशामुक्ति केंद्र से इलाज कराया जहां मात्र 6 महीने में ही वह ठीक हो गए और अब उनका वजन 84 किलो है इस बारे में डॉक्टर तकी इमाम ने बताया कि मेरी हालत बहुत खराब हो गई थी मेरा बचना बहुत मुश्किल था जब मेरे परिवार वालों ने मुझे यहां भर्ती कराया यहां की जिंदगी किसी जेल से कम नहीं, यहां हर काम सिस्टम से एंजेलेशन से कराया जाता है और बाहर की दुनिया से कोई मतलब नहीं होता इस बारे में विकल्प नामक केंद्र की प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर कांता रावत ने बताया की कि जब आदमी नशे का आदी हो जाता है तो नशा करते करते उसका शरीर काम करना बंद कर देता है और वह अलग तरह का व्यवहार करने लगता है जिससे उसके परिवार वाले भी तंग हो जाते हैं जब वह लोग हमारे यहां लेकर आते हैं उन्होंने बताया कि हमारा संस्थान अमेरिका की प्रोग्राम को फॉलो करके इलाज करता है यहां 3 से 9 महीने तक इलाज किया जाता है और लोग नशे से दूर हो जाते हैं इस बारे में सेंटर के मालिक प्रदीप गुप्ता जो नेशनल अवार्डी हैं उन्हें भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने इस काम को बेहतर करने के लिए अवार्ड दिया था उन्होंने बताया कि अब तक 1500 लोगों को नशे से मुक्ति दिला चुके हैं उन्होंने बताया कि हमारे यहां पर हर काम टाइम टेबल और एंजेलेशन के हिसाब से होता है यहां क्लासें चलाई जाती हैं और दिनचर्या में योगा और हर चीज के लिए निर्धारित समय होता है भर्ती किए गए मरीजों को बाहर की दुनिया से कोई मतलब नहीं होता उन्होंने बताया की कोई भी व्यक्ति अपनी समस्याओं को घटाने के लिए नशे का आदी होता है जिन में इंजेक्शन कैप्सूल शराब को इस्तेमाल किया जाता है पहले लोग इसे थोड़ा-थोड़ा इस्तेमाल करते हैं फिर ये नासूर बन जाता है। इस सेंटर के बारे में डॉक्टर तकी इमाम ने बताया कि मुझे इस सेंटर ने दूसरी जिंदगी दी है क्योंकि मेरे बदन ने बिल्कुल काम करना बंद कर दिया था अब मैं बिल्कुल स्वस्थ हूं और मेरा वजन भी 42 किलो से 84 किलो हो गया है।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक ओमेन्द्र सिंह ... focusayaz.omendra@gmail.com सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र गौतमबुद्धनगर स्थित न्यायालय होगा।

नवभारत टाइम्स
NBT
Ghaz
THURSDAY, 29 NOVEMBER 2018

नशामुक्ति केंद्र का किया दौरा

नगर संवाददाता, टीएचए : साहिबाबाद स्थित विकल्प नशा मुक्ति केंद्र में बुधवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस में डि-एडिक्शन का कोर्स कर रहे बच्चों ने दौरा किया। देश के विभिन्न राज्यों से आए इन छात्रों ने नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के संचालन के बारे में जानकारियां प्राप्त कीं। संस्था से जुड़े प्रदीप गोयल ने बताया कि संस्था में आने वाले नशे के आदी लोगों को समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जाता है। इस दौरान सामाजिक उत्थान एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

Scanned with CamScanner

jansagartoday@gmail.com
गुरुवार, 29 नवंबर, 2018

नशा मुक्ति केंद्र का भ्रमण

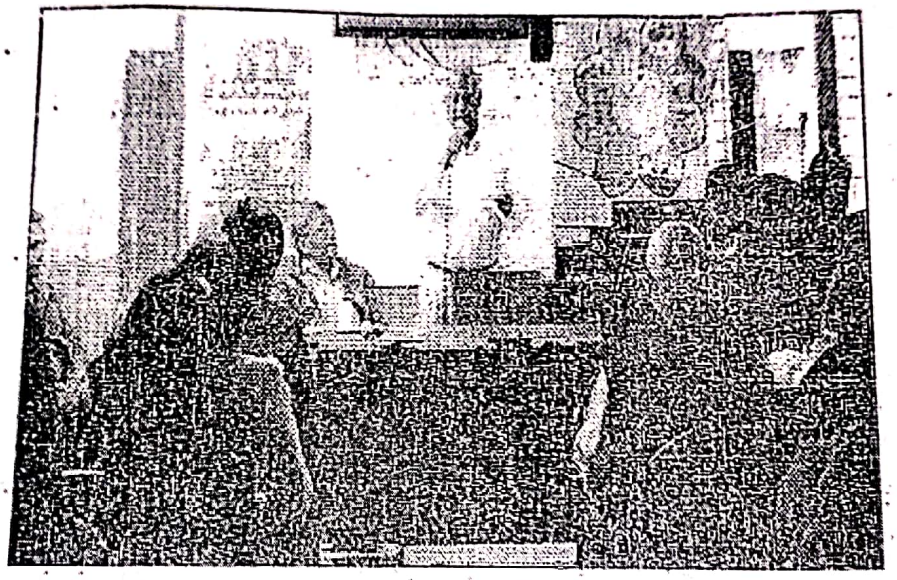

जन सागर टुडे

साहिबाबाद। केंद्र सरकार के सामाजिक सुरक्षा, न्याय ,उत्थान तथा अधिकारिता मंत्रालय के एक 30सदस्यीय दल ने साहिबाबाद स्थित विकल्प नशा मुक्ति केंद्र का दौरा किया। दल ने यहां मौजूद नशा पीड़ितों के उत्थान और इलाज की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार सामाजिक सुरक्षा न्याय..... और सामाजिक उत्थान अधिकारिता मंत्रालय के अधिकारियों का एक दल 30 सदस्य फील्ड यूनिट के साथ विकल्प नाम की संस्था पहुंचा और वहां नशे से प्रभावित लोगों के इलाज, कल्याण और विकास से संबंधित किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। संस्था की पीआरओ प्रतिभा ने बताया कि यह फील्ड यूनिट कौषल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सर्टिफिकेट कोर्स कर रही है,इसलिये यूनिट को यहां एजूकेषन के ध्येय से लाया गया था। संस्था के ट्रस्टी प्रदीप गोयल ने अपनी संस्था द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त केंद्र के प्रकल्पों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था किस तरह लोगों को नशा से मुक्ति दिलाकर समाज में उनको स्थापित करने तथा समाज की लिए उपयोगी बनाती है।

Scanned with CamScanner

नई दिल्ली, लखनऊ, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, नोएडा, बुलंदशहर एवं मथुरा में प्रसारित
दैनिक
जन सागर टुडे
एक सकारात्मक पहल
वर्ष : 1, अंक-251
e-mail id.:jansagartoday@gmail.com
गाजियाबाद, गुरुवार, 29 नवंबर 2018
पृष्ठ : 8, मूल्य : 2

सबका साथ हमारा प्रयास
डॉ. प्रमोद राघव
सब चले सब बढ़े

नशा मुक्ति केंद्र का भ्रमण

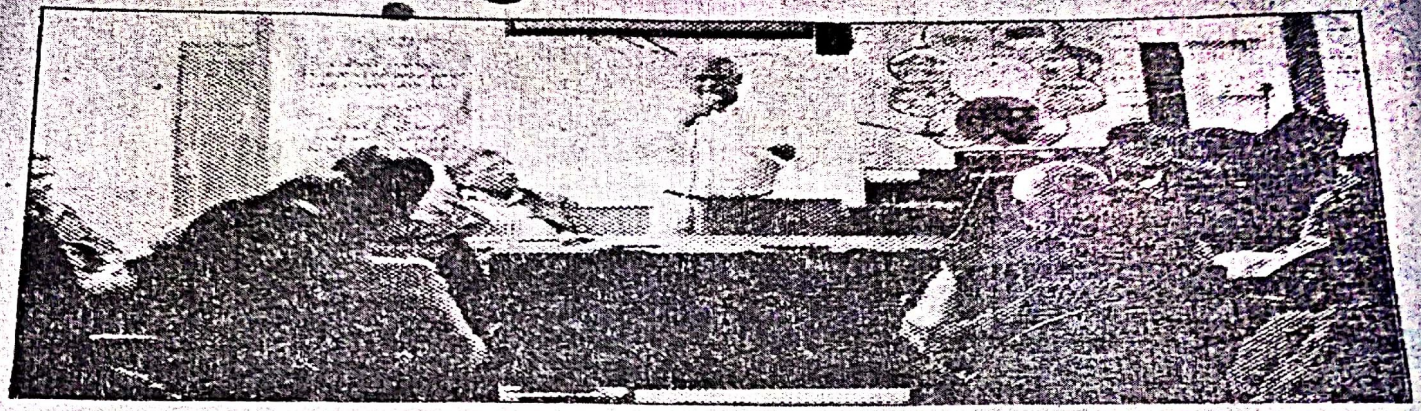

जन सागर टुडे

साहिबाबाद। केंद्र सरकार के सामाजिक सुरक्षा, न्याय ,उत्थान तथा अधिकारिता मंत्रालय के एक 30सदस्यीय दल ने साहिबाबाद स्थित विकल्प नशा मुक्ति केंद्र का दौरा किया। दल ने यहां मौजूद नशा पीड़ितों के उत्थान और इलाज की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार सामाजिक सुरक्षा न्याय और सामाजिक उत्थान अधिकारिता मंत्रालय के अधिकारियों का एक दल 30 सदस्य फील्ड यूनिट के साथ विकल्प नाम की संस्था पहुंचा और वहां नशे से प्रभावित लोगों के इलाज, कल्याण और विकास से संबंधित किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। संस्था की पीआरओ प्रतिभा ने बताया कि यह फील्ड यूनिट कौषल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सर्टिफिकेट कोर्स कर रही है,इसलिये यूनिट को यहां एजूकेषन के ध्येय से लाया गया था। संस्था के ट्रस्टी प्रदीप गोयल ने अपनी संस्था द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त केंद्र के प्रकल्पों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था किस तरह लोगों को नशा से मुक्ति दिलाकर समाज में उनको स्थापित करने तथा समाज की लिए उपयोगी बनाती है।

8:44 AM ... 0.10K/s 4G 27%

क्षेत्रीय मद्य निषेध एवं समाज उत्थान समिति ने किया निरीक्षण

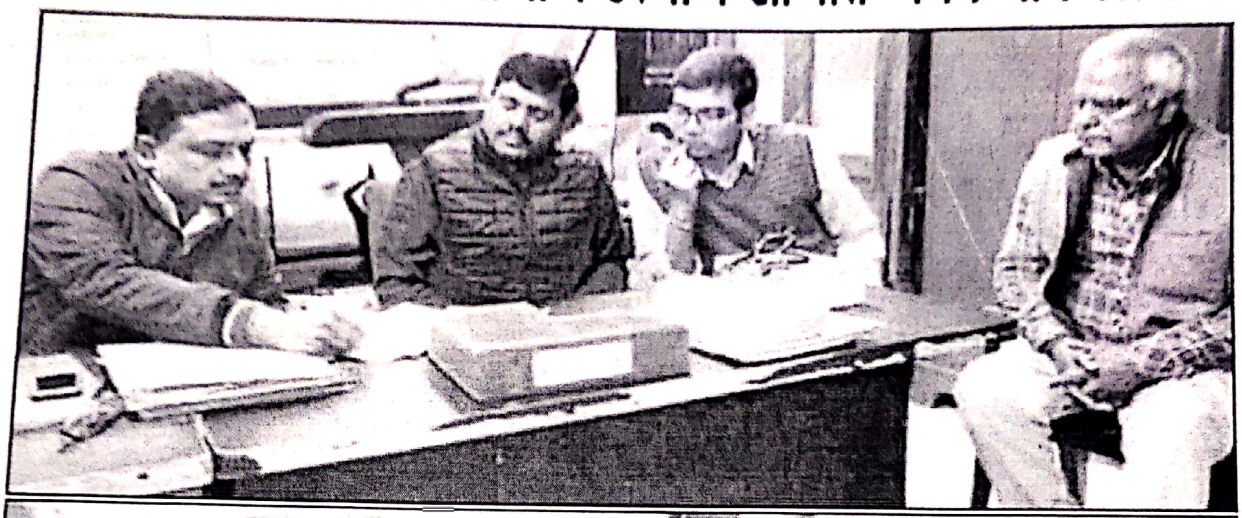

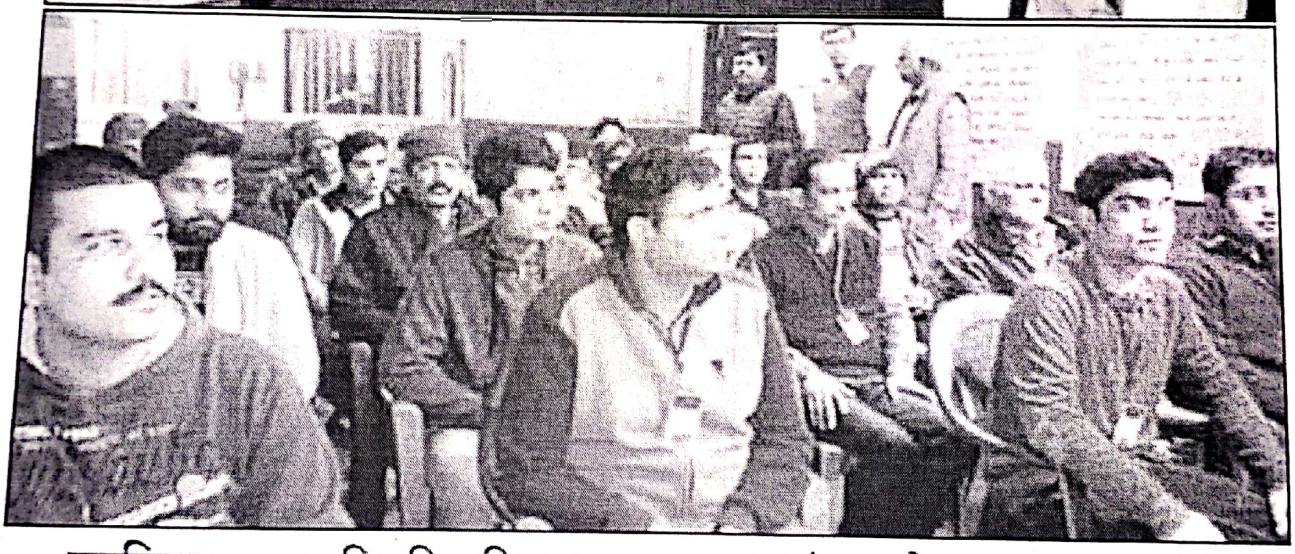

साहिबाबाद। स्थिति विकल्प नशा मुक्ति केंद्र में गुरुवार को मद्य निषेध अधिकारी राम लोटन राजवंशी क्षेत्रीय मद्य निषेध एवं समाज उत्थान अधिकारी अमिताभ यादव क्षेत्रीय मध्य निषेध एवं समाज उत्थान अधिकारी नोएडा प्रमुख रहे। संस्था के ट्रस्टी प्रदीप गोयल द्वारा संस्था में कार्यरत सभी लोगों की एवम संस्था के समस्त गतिविधियों की जानकारी दी गई। प्रदीप गोयल ने विकल्प में हो रहे समस्त कार्यक्रम के बारे में बताया। अधिकारियों द्वारा संस्था में इलाज करा रहे मरीजों से उनके इलाज को लेकर जानकारी ली और उन्हें नशे से दूर रहने की सलाह दी तथा नशा मुक्त केंद्र के महत्व को बताया।

Scanned with CamScanner

धूमधाम से मनाई गांधी जयंती

टीएचए के स्कूलों में बच्चों के लिए स्पेशल असेंबली का आयोजन

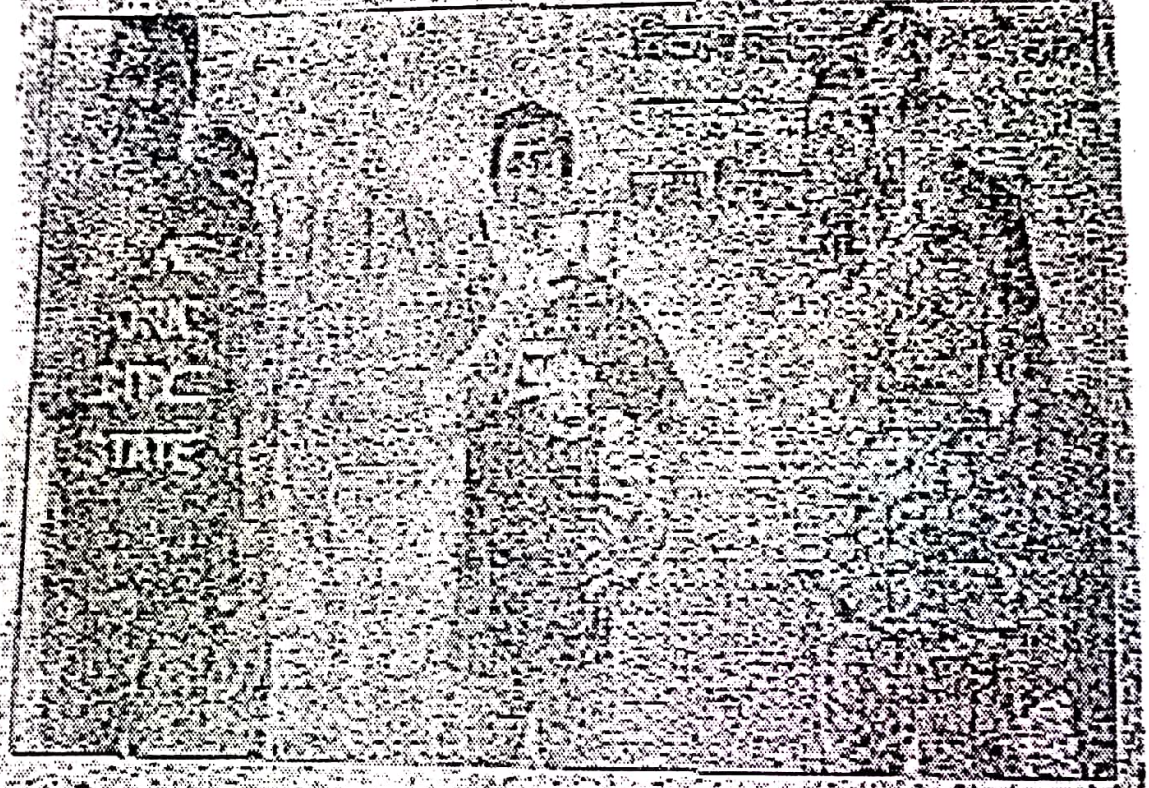

विकल्प नशा मुक्ति केंद्र में गांधी जयंती पर नाटक प्रस्तुत करते छात्र।

नशे से दूर रहने की दी नसीहत

साहिबाबाद। [illegible] स्थित विकल्प नशा मुक्ति केंद्र में गांधी जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में निगम पार्षद [illegible] प्रधान रहे। इस दौरान संस्था के ट्रस्टी प्रदीप गोयल ने महात्मा गांधी के जीवन पर प्रकाश डाला। इसके बाद नशे से स्वयं को कैसे दूर रखा जाए इस पर नशामुक्ति केंद्र के लोगों ने प्रस्तुति दी। इस मौके पर एसएचओ साहिबाबाद [illegible], शायर अब्दुल [illegible], एसपी सिंह, प्रवीन व्यास आदि को सम्मानित भी किया गया।

Scanned with CamScanner

ट्राईसिटी रिपोर्टर 3
सोमवार, 12 दिसम्बर से 18 दिसम्बर, 2016

आम इंसान की तरह जीना भी अपने आप में नशे का एक विकल्प

ट्राईसिटी रिपोर्टर

गाजियाबाद: नशे को छोड़कर दोबारा से अपनी जिंदगी को एक आम इंसान की तरह जीना भी अपने आप में नशे का एक विकल्प है। इसके लिए नशे के आदि हो चुके लोगों को इसके लिए शिक्षित कर एक सम्मानजनक जीवन देने के प्रयास होने चाहिए। दवाओं से उनकी इस आदत को सिर्फ थोड़ा बहुत नियंत्रित किया जा सकता है। बाकी तो इसके लिए निस्वार्थ और अनथक प्रयास ही एकमात्र विकल्प है। ऐसा मानना है मेरठ क्षेत्र के नशा रोकथाम केंद्र के प्रमुख अधिकारी प्रकाश सिंह गैधर का जोकि नशे की रोकथाम के लिए निरंतर प्रयास कर रही नशामुक्ति केंद्र संस्था विकल्प द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुहिम को एक जन अंदोलन बनाकर देशभर में इसका प्रचार किया जाना चाहिए।

उनके अलावा इस समारोह को जिला गाजियाबाद नशा मुक्ति केंद्र अधिकारी राम अवतार यादव,वैकल्पिक नशामुक्ति केंद्र अधिकारीसुलभ गुप्ता, जीवन आशा के विकास गुप्ता,सर्वहित नशामुक्ति केंद्र के पंकज, बदलाव नशा मुक्ति पाठशाला की मुर्शलीन, तपस्या नशा मुक्ति केंद्र के दिनेश, ब्रह्मकुमारी की चिकित्सा विंग के मौर्य लक्ष्मी व शालिनी,चिकित्सा अधिकारी डा. अखिल डांडा तथा दंत चिकित्सा दिनेश शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर नशे की बुराई पर अपना नियंत्रण पाने की दिशा में आगे बढ़ रहे 34 से अधिक छात्रों की ओर से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, तथा उन्होंने अपने गायन व नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मोहित,सुदीप शर्मा,संदीप श्रीवास्तव,सौरभ निगम और सुरेंद्र सिंह को सम्मानित भी किया गया।

आखिर में सबका आभार व्यक्त करते हुए विकल्प के प्रबंधक ट्रस्टी प्रदीप गोयल ने कहा कि नशे पर काबू पाने के लिए आज सबसे ज्यादा जरूरत इस बात की है कि नशे की बुराईयों के बारे में स्कूली स्तर पर ही इसकी शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हम यौन शिक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च कर उसे स्कूल में एक ज्ञान के रूप में जानकारी देते हैं तो फिर हम नशे रूपी खतरे की घंटी को शुरू में ही भांपकर इससे युवा पीढ़ी को आगाह क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केंद्रों की संख्या में वृद्धि की जानी चाहिए तथा इन संस्थानों से नशा छोड़ चुके युवाओं को न सिर्फ एक उदाहरण के रूप में पेश किया जाना चाहिए बल्कि उनके अनुभवों को नशे की लत का शिकार हो रहे अन्य लोगों में बांटना चाहिए ताकि वे उनसे सबक लेकर इससे तौबा करें।

Scanned with CamScanner

'हमें खुद को सुधारना होगा'

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

कार्यशाला

- अन्तर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर जागरूकता रैली आयोजित
- कार्यशाला में वक्ताओं ने प्रकट किए विचार

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर शुक्रवार को परिवर्तन चौक स्वास्तिक चौराहे तक दिशा, एनजीओ और एनजीओ के बच्चों ने मिलकर जागरूकता रैली निकाली। साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के सहयोग से कार्यशाला आयोजित हुई।

यह कार्यशाला ड्रग एब्यूज डिसऑर्डर एंड प्रोविटिएक्शन एंड ट्रीटमेंट विषय पर हुई। कार्यशाला का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. चेतना श्रीवास्तव और समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. डी.के. सिंह, विशिष्ट अतिथि दूरदर्शन केंद्र के पूर्व निदेशक प्रभु झिंगरन, आमंत्रित अतिथि पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एन. सिंह, डॉ. अवधेश नारायन, डॉ. सुधीर मेहरोत्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

यह कार्यशाला दिशा नशा उन्मूलन एवं पुनर्वास केंद्र और लखनऊ केंद्र यमुना एसोसिएट्स के सौजन्य से किया गया। सिविल अस्पताल के डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि युवा के नशे के पीछे उत्तरदायी प्रोडक्ट है। संयुक्त परिवार की परम्परा टूटने से यह समस्या बढ़ी है। अभिभावक आजीविका के लिए निकलते हैं। बच्चों का पारिवारिक बंधन कमजोर हुआ है। हमारा जीने का तरीका कहीं न कहीं उत्तरदायी है। वक्ताओं ने इसके लिए समाज व विद्यालय की भूमिका को कारगर करने पर बल दिया।

राजकीय अभिलेखागार में अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोध दिवस पर कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करतीं राज्य मद्यनिषेध अधिकारी सरोज कुमारी। कैनविज टाइम्स

नशा-चोरी, भ्रष्टाचार, अराजकता, बलात्कार की जननी है। युवा के सामने अभिभावक को एक रोल मॉडल बनने की जरूरत है। अभिभावकों को अपनी संतानों के प्रति गम्भीर होने की आवश्यकता है। समय-समय पर काउंसलिंग अंतर्संचार स्थापित रहना चाहिए। बच्चों के किशोरावस्था में आने पर किसी भी प्रकार के व्यवहारिक परिवर्तन को माता-पिता को गम्भीरता से लेना चाहिए, इसे तुरंत काउंसलर से काउंसलिंग करवाना चाहिए। कार्यशाला का संचालन यमुना एसोसिएट के कोषाध्यक्ष अमर सिंह ने किया। धन्यवाद प्रस्ताव स्तुति वर्मा, दिशा काउंसर एवं कार्यक्रम संयोजक ने किया। कार्यशाला राष्ट्रगान और शांति पाठ के साथ सम्पन्न हुई।

सिगरेट पीने वालों से ज्यादा है तंबाकू खाने वालों की संख्या

लखनऊ। प्रदेश में चबाने वाली तंबाकू का प्रयोग धूम्रपान से अधिक किया जाता है। प्रदेश के 25.3% युवा चबाने वाली तंबाकू या गुटखा, जर्दा, खैनी आदि का प्रयोग करते हैं जहां 2.3% युवा सिगरेट एवं 12.4% युवा बीड़ी का प्रयोग करते हैं। शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस पर राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य सलाहकार सतीश त्रिपाठी ने दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उप्र राज्य तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, उप्र एवं रिदम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'नशा एवं युवा विषय पर कार्यशाला का आयोजन एनएचएम कार्यालय में किया गया। उपमहाप्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. एबी सिंह ने विषय पर प्रकाश डालते हुए अवगत कराया कि प्रदेश में असंचारी रोगों के बढ़ने का कारण युवाओं में बढ़ रही नशाखोरी की लत है। डॉ. सिंह ने बताया कि धूम्रपान, शराब सेवन एवं अन्य प्रकार का नशा करने से व्यक्ति में हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि असंचारी रोग होने का खतरा बढ़ जाता है। रिदम फाउंडेशन के अध्यक्ष ए रंजन ने अवगत कराया कि शराब एवं सिगरेट बनाने वाली कंपनियां अपना शिकार युवाओं को बनाते हैं, जिससे जीवन पर्यन्त उनके ग्राहक बने रहें।

योग केंद्र से पर्यटकों को किया जाएगा आकिर्षित

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ

- मुख्य संपर्क मार्ग व अतिथि गृह होंगे उच्चीकृत, बनेंगे योग केंद्र व प्रार्थना स्थल

लखनऊ। श्रावस्ती को प्रदेश के पर्यटन के नक्शे पर उभारने की कवायद अब तेज हो गई है। श्रावस्ती के पर्यटन विकास के लिए मुख्य सम्पर्क मार्गों का उच्चीकरण होगा। पर्यटन अतिथि गृहों का सुधार किया जाएगा। नव निर्माण होंगे। श्रावस्ती में हर वर्ष 50 हजार से अधिक विदेशी सैलानी सैर के लिए जाते हैं।

उल्लेखनीय है कि श्रावस्ती में पर्यटकों के रुकने की और अन्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जाएगा। इसके तहत श्रावस्ती और बलरामपुर में यूपी पर्यटन के पर्यटक गेस्ट हाउस उच्चीकृत होंगे। इनमें आधुनिक सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। पर्यटन महानिदेशक अमृत अभिजात ने बताया कि श्रावस्ती को पर्यटन के इनर सर्किल की परिधि में लाए जाने की प्रक्रिया भी तेज की जाएगी। बुद्धिस्ट सर्किट को और अधिक समृद्ध पर्यटन रूट के रूप में विकसित करने का प्रयास किए जाएगा। श्रावस्ती पिछले दिनों एक बड़े पर्यटक स्थल के रूप में उभर कर सामने आया है। पिछले वर्ष श्रावस्ती में 98 हजार पर्यटक आए, जिनमें 57 हजार विदेशी पर्यटक थे। उन्होंने बताया कि श्रावस्ती के लिए जाने वाली फैजाबाद से आगे की सड़क के नव निर्माण के लिए शासन ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश जारी किए हैं कि इसे प्राथमिकता के स्तर पर तैयार किया जाए। इस सड़क को हाईवे की तर्ज पर ही तैयार करने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस सड़क के बनने के बाद श्रावस्ती में पर्यटकों की आमद और बढ़ जाएगी। इसमें कुछ हिस्सा नेशनल हाईवे का भी है, इसके लिए केंद्र सरकार को लिखा है। महानिदेशक पर्यटन ने बताया कि श्रावस्ती के विकास की एक विस्तृत कार्ययोजना भी जिला प्रशासन की ओर से तैयार की जा रही है।

सीएम बताएं, कब सुधरेगी

देश में चार करोड़ लोग हैं नशे के आदी : प्रो.जैन

एंटी नारकोटिक्स डे

लखनऊ | निज संवाददाता

देश में चालीस करोड़ लोग नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं। इसमें चार करोड़ लोग एडिक्ट हैं। भारत नशीले पदार्थों का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है क्योंकि सर्वाधिक युवा जनसंख्या भारत में है।

अकेले 2012 में देश के भीतर 12 लाख लीटर व्हीसकी की खपत हुई। दुनिया भर की बेवरेज कंपनियों की नजर भारतीय बाजार पर है। ये बातें केजीएमयू के सर्जरी विभाग के प्रो. विनोद कुमार जैन ने राजकीय अभिलेखागार में शुक्रवार को कहीं। वह अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोधी दिवस पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

मद्य निषेध विभाग उप्र की ओर से आयोजित गोष्ठी में जैन ने कहा शराब के पक्ष में सरकार तर्क देती है कि इससे 25 हजार करोड़ का राजस्व मिलता है। हकीकत में शराब के सेवन से होने वाले रोगों मे इलाज में राजस्व से साठ गुणा अधिक धन खर्च होता है। मौके पर राज्य मद्यनिषेध अधिकारी सरोज कुमारी ने कहा शराब के सेवन से व्यक्ति को सामाजिक क्षति के साथ आर्थिक क्षति भी होती है। संगोष्ठी में रामलोटन राजवंशी, प्रदीप गोयल, अनीता सहगल ने भी नशीले पदार्थों से होने वाली हानियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नवयुवक हो रहे नशे का शिकारः लखनऊ। नशे का सर्वाधिक सेवन युवा कर रहे हैं। इनकी संख्या साठ फीसदी से अधिक है। इनमें युवतियों की भी अच्छी खासी संख्या है। यह विचार पूर्व पर्यावरण अधिकारी आरएन श्रीवास्तव ने शुक्रवार को इंदिरानगर स्थित स्मृति विहार में रखे। वह खुशहाल सेवा संस्थान की ओर से मादक पदार्थ विरोधी दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। संस्थान के अध्यक्ष शिवाराम मिश्र ने कहा एकाकी जीवन शैली भी नशाखोरी की मुख्य वजह है। इस दौरान साइकिल क्लब के महामंत्री कृष्णानंद राय, आरएन श्रीवास्तव, श्रीराम मिश्र सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

निशुल्क परीक्षणः लखनऊ। प्रेरणा संस्थान की ओर से शुक्रवार को चिनहट में नशे से प्रभावित लोगों के लिए निशुल्क परीक्षण शिविर हुआ। परीक्षण के बाद मरीजों को मुफ्त दवाएं भी मुहैया कराई गईं। शिविर के दौरान संस्थान की काउंसलर ने कहा नशे का कारोबार देश को खोखला कर रहा है।

वहीं संस्थान के परियोजना निदेशक निर्मल कुमार ने भी नशाखोरी से होने वाले नुकसान पर चर्चा की। इस दौरान डॉ. आरके शुक्ल, महासचिव एमडीपाण्डेय सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

राजकीय अभिलेखागार में इंटरनेशनल मादक पदार्थ विरोधी दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया • हिन्दुस्तान

गंजिंग कार्निवाल में इस बार कथक

लखनऊ। इस बार रविवार को गं[illegible] कार्निवाल में सैलानी कथक का आ[illegible] ले सकेंगे। यहां भातखंडे संगीत [illegible] विश्वविद्यालय की अध्यापिका अ[illegible] छात्राओं के साथ कथक की वि[illegible] प्रस्तुति देंगी।

एडीएम पूर्वी निधि श्रीवास्तव [illegible] बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम शृंखला में इस बार कथक पेश कि[illegible] जाएगा। इस दौरान विभिन्न कला[illegible] अपनी प्रतिभा को दिखा सकेंगे। क[illegible] की इस प्रस्तुति को सभी के लिए रुचि[illegible] बनाने के लिए कथक पर आधा[illegible] फिल्मी गानों पर भी छात्राएं नृत्य प्र[illegible] करेंगी। यह लोगों को ज्यादा प[illegible] आएगा।

भातखंडे की रुचि खरे अ[illegible] छात्राओं के साथ यहां नृत्य पेश करें[illegible] यह कार्यक्रम मल्टीलेविल पार्किंग बने मंच पर ही होगा। निसं

नन्हे क्रान्तिकारियों की कलम बनी हथियार

लखनऊ। चबूतरा थिएटर फेस्टिवल का आगाज नाटक 'नन्हें क्रांतिकारी' के साथ हुआ। नाटक बच्चों के साहस और देश [illegible] को दर्शाता है। [illegible] को मंच पर मौका दिया।

दिलीप कुमार के निर्देशन में मंचित हुआ नाटक 'नन्हे क्रांतिकारी' कहानी एक मास्टर और बच्चों की है। मास्टर पर नाराज गुंडों से मास्टर को मार खानी पड़ती है। लेकिन मास्टर रात में बच्चों को पढ़ाना शुरू करते हैं तो गुंडे मास्टर को रात में मारने के लिए घेर लेते हैं। तभी छात्र

दूसरे जुमा पर अमन और शांति

Scanned with CamScanner

अमर उजाला
हॉट सिटी
amarujala.com

20 साल तक किया नशा, अब औरों का छुड़ा रहे

अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस पर विशेष

अब तक 105 से अधिक लोगों का नशा छुड़वा चुके हैं प्रदीप गोयल

अंकुश बिश्नोई

साहिबाबाद। 'कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं होगा, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों' कवि दुष्यंत कुमार की यह पंक्तियां राजेंद्र नगर निवासी प्रदीप गोयल पर सटीक बैठती हैं। प्रदीप का जज्बा ही था कि 20 साल तक नशे की गिरफ्त में रहने के बाद खुद तो नशे से दूर हुए ही अब वे औरों को नशे की लत छुड़ा रहे हैं। विकल्प रिहैबिलिटेशन सेंटर का संचालन करने वाले प्रदीप अब तक 105 से अधिक लोगों को नशा छुड़वा चुके हैं। 'अमर उजाला' से बातचीत में प्रदीप ने कहा कि नशा सिर्फ लत नहीं है, यह एक बीमारी है। नशा करने वाले व्यक्ति की मदद की जाए तो वह इस बीमारी से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकता है।

प्रदीप गोयल ने करीब 20 साल पहले विकल्प नाम से रिहैबिलिटेशन सेंटर खोला। इसमें वह शराब, ड्रग आदि का नशा करने वाले लोगों को नशे से छुटकारा दिलाते हैं। रिहैबिलिटेशन सेंटर में 79 लोग अपना इलाज करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास हर वर्ग के लोग इलाज के लिए आते हैं। कोई शराब का आदी होता है तो कोई चरस, गांजा व स्मैक का। लोगों में नशा छोड़ने का मन तो होता है, लेकिन इसके लिए उन्हें मदद की जरूरत है। उन्होंने बताया एक समय में वह भी नशे के आदी थे। जब वह नौवीं कक्षा में थे तो उन्हें नशे की लत लग गई। 20 साल तक नशे का शिकार रहे। मुंबई स्थित एक रिहैबिलिटेशन सेंटर में अपना इलाज कराया, जिसके बाद उन्हें नशे से मुक्ति मिली।

तीन से नौ महीने तक चलता है इलाज: सेंटर में लोगों को नशे से मुक्ति दिलाने में 20 लोग लगे हैं। सेंटर की काउंसलर प्रतिभा ने बताया कि यहां तीन महीने से नौ महीने तक इलाज चलता है। इस दौरान सेंटर में उन्हें रचनात्मक कार्यों में लगाया जाता है। यहां गरीब लोगों से कोई फीस नहीं ली जाती।

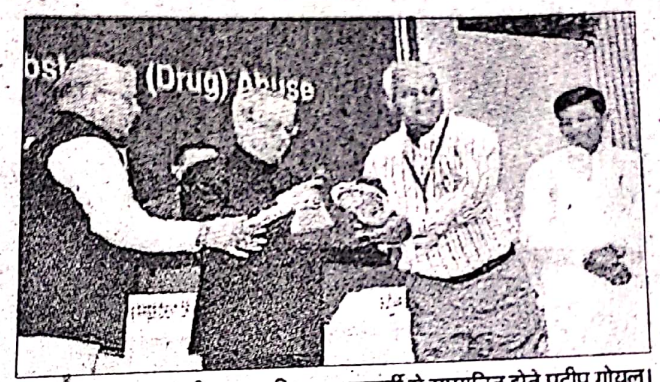

वर्ष 2014 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी से सम्मानित होते प्रदीप गोयल।

2014 में मिला था नेशनल अवार्ड

प्रदीप गोयल को वर्ष 2014 में आउटस्टेंडिंग परफोरमेंस फॉर प्रिवेंशन ऑफ अल्कोलिज्म एंड ड्रग अब्यूज के लिए नेशनल अवार्ड भी मिल चुका है। उनकी द्वारा नशे को खत्म करने के लिए वृद्धावस्था में भी इस मुहिम को चलाने के लिए वर्ष 2017 में उन्हें वयो श्रेष्ठा सम्मान से भी नवाजा गया।

रिहैबिलिटेशन सेंटर में कव्वाली पेश करते कव्वाल। अमर उजाला

रंगारंग कार्यक्रम से दिया संदेश

जीटी रोड स्थित विकल्प रिहैबिलिटेशन सेंटर पर सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी दिवस के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रिहैबिलिटेशन सेंटर में भर्ती लोगों ने गायन, नृत्य, नाटक की प्रस्तुति दी।

मार्शल आर्ट

'लेकिन मतलब लोगों पर ...

गाजियाबाद समेत 5 ...

तक 105 से अधिक लोगों का नशा छुड़वा चुके हैं प्रदीप गोयल

वर्ष 2014 में पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी से सम्मानित होते प्रदीप गोयल।

रिहैबिलिटेशन सेंटर में कव्वाली पेश करते कव्वाल। अमर उजाला

2014 में मिला था नेशनल अवार्ड

प्रदीप गोयल को वर्ष 2014 में आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस फॉर प्रिवेंशन ऑफ अल्कोहलिज्म एंड ड्रग एब्यूज के लिए नेशनल अवार्ड भी मिल चुका है। उनको द्वारा नशे को खत्म करने के लिए वृद्धावस्था में भी इस मुहिम को चलाने के लिए वर्ष 2017 में उन्हें वयो श्रेष्ठ सम्मान से भी नवाजा गया।

रंगारंग कार्यक्रम से दिया संदेश

रोहतक रोड स्थित विकल्प रिहैबिलिटेशन सेंटर पर सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी दिवस के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रिहैबिलिटेशन सेंटर में भर्ती लोगों ने गायन, नृत्य, नाटक की प्रस्तुति दी।

मुक्ति दिलाने में 20 लोग लगे हैं। बताया कि यहां तीन महीने से नौ दौरान सेंटर में उन्हें रचनात्मक लोगों से कोई फीस नहीं ली जाती।
सेंटर की काउंसलर प्रतिभा ने महीने तक इलाज चलता है। इस कार्यों में लगाया जाता है। यहां गरीब

दैनिक जागरण | 6 अगस्त सोमवार

नशे से दूर रहें, हेलमेट पहनें : एसएसपी

◆ गुरुनानक इंटर कालेज के बच्चों को जागरूक किया

रुद्रपुर : एसएसपी ने बच्चों को नशे से दूर रहने और बाइक चलाते समय हेलमेट पहनने का आह्वान किया। क्योंकि नशा समाजिक बुराईयों की जड़ है। एसएसपी रिधिम अग्रवाल सोमवार के नानकपुरी में गुरुनानक इंटर कॉलेज व सीनियर सेकेंडरी छात्रों को संबोधित कर रही थीं। एसएसपी ने कहा कि अपने अधिकारों को जानना जरूरी है। लेकिन अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन भी करना चाहिए। इसी सोच से आदर्श समाज की रचना होती है। इस दौरान छात्रों ने एसएसपी से सवाल भी पूछे। इससे पूर्व,एसएसपी अग्रवाल ने नानकपुरी गुरुद्वारा में मत्था टेका। गुरुद्वारा के बाबा चंदन सिंह ने एसएसपी को सरोपा भेंट किया। इस मौके पर बाबा चंदन सिंह, जागीर सिंह बाजवा, बाबा गुरुजंट सिंह, सुखजीत कौर, परमजीत कौर, बीएन झा, गोविंद वर्मा, धीरज कुमार आदि थे।

नशा अपराध की होती है जड़

रुद्रपुर : न्याय व अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार व एसपीवाईएम के तत्वावधान में नशामुक्ति और अपराध में संबंध पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने नशे के कारण और अपराध पर प्रकाश डाला। एक होटल में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ एसएसपी रिधिम अग्रवाल ने किया। एसएसपी ने कहा कि नशे अपराध की जड़ है। इससे घरेलू हिंसा, बलात्कार, हत्या, सड़क दुर्घटनाओं व अन्य सामाजिक बुराईयों में दिनों दिन इजाफा हो रहा है। एपीवाईएम के मनीष ने शराब के नशे से हो रहे नुकसान और खतरे कम करने के उपाय बताए। विकल्प नशामुक्ति केंद्र गाजियाबाद के निदेशक प्रदीप गोयल व नवचेतना नशामुक्ति केंद्र के निदेशक सुखवीर सिंह ने नशा व अपराध के संबंधों के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि प्रशासन और एनजीओ अगर नशामुक्ति के क्षेत्र में मिल कर कार्य करें तो समाज में अपराध की दिशा में बेहतर परिणाम सामने आ सकते हैं। इस मौके पर रुड़की से पूनम सिंह, रोनित रोहिला, हरविंदर सिंह, गजरौला से हरीश, मुरादाबाद से परवेज व खालिदा, बगवाड़ा से मुश्ताक, बिलासपुर से दलीप सिंह, हरजीत सिंह आदि ने भी अपने विचार रखे।

Scanned with CamScanner

शाह टाइम्स
हल्द्वानी, सोमवार, 5 अगस्त 2013

नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई

रुद्रपुर। नगर के काशीपुर रोड स्थित चावला सिनेमा के सामने होटल गंगेज में एनआइएसडी सामाजिक न्याय एवं सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शराब नशा एवं रोकथाम योजना के अंतर्गत एसपीवाईएम व विकल्प द्वारा शराब नशा व अपराध के आपसी सम्बध पर दो दिवसीय कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शराब एवं नशे के कारण हो रहे अपराध जैसे घरेलू हिंसा, हत्या, बलात्कार व सड़क दुर्घटनाऐ व अन्य सामाजिक बुराईयों व इनमें निरंतर हो रही बढ़ोत्तरी पर चिंता प्रकट की तथा इसके निदान हेतू हम क्या क्या कर सकते है मंथन किया गया। इस पर विकल्प नशा मुक्ति केंद्र गाजियाबाद के निदेशक प्रदीप गोयल व नवचेतना संस्थान नशा मुक्ति केंद्र के निदेशक सुखवीर सिंह ने शराब व अपराध के आपसी सम्बंधो पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला व उन्होंने बताया कि नशा मुक्ति केंद्र अन्य एनजीओ व प्रशासनिक स्तर पर मिलजुल कर इस दिशा में कार्य किया जाये तो नशा मुक्त अपराध मुक्त समाज की स्थापना में बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते है। इस अवसर पर नशा मुक्ति के क्षेत्र में काम कर रहे संस्थाओं को भी सम्मिलित किया गया। मुख्य रूप से नवचेतना संस्था नशा मुक्ति केंद्र धौलपुर गदरपुर एवं रूड़की से पूनम सिंह रोनित रोहिल्ला एवं हरविंदर सिंह गुरू नशा मुक्ति केंद्र गजरौला से हरीश, विकल्प नशा मुक्ति केंद्र मुरादाबाद से परवेज एवं खालिदा अपना सहारा नशा मुक्ति केंद्र बगवाड़ा से मुश्ताक व शहीद भगत सिंह वेलफेयर सोसायटी बिलासपुर से बाबा दलीप सिंह व हरजीत सिंह आदि ने भी उपरोक्त विषय पर अपने अनुभव पेश किए।

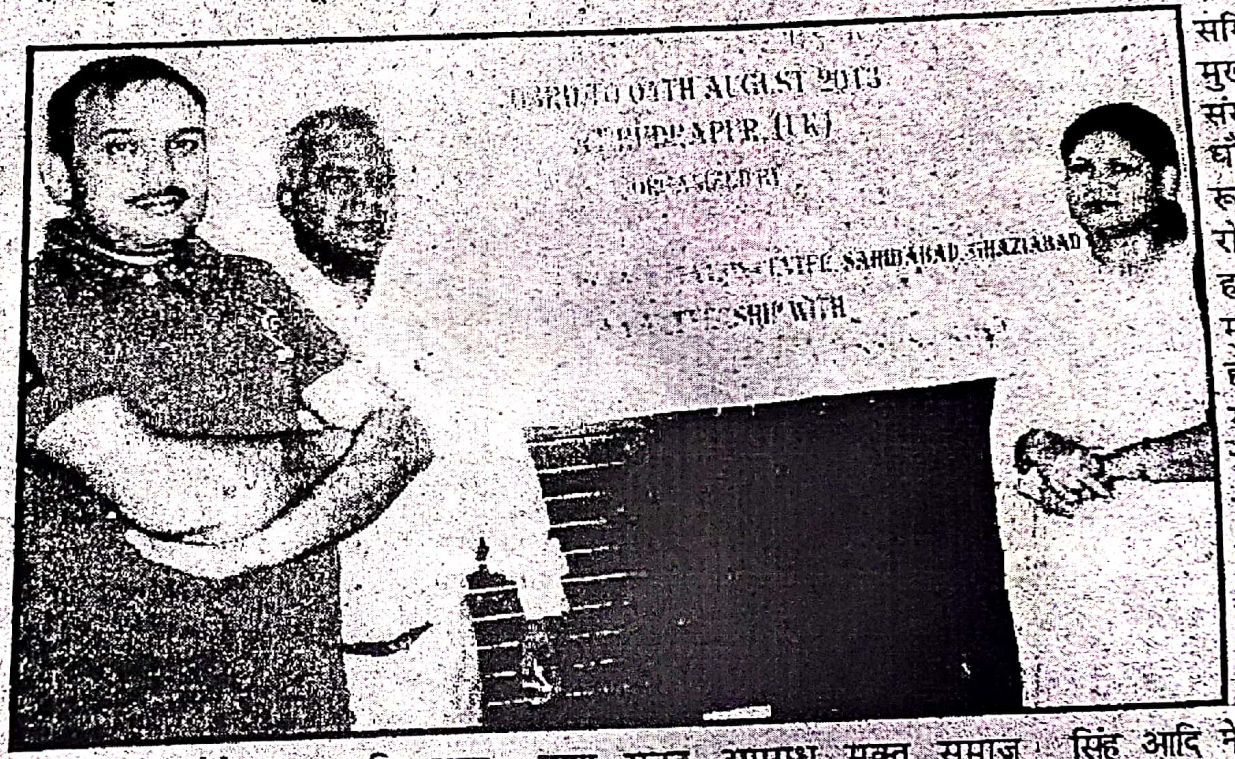

Scanned with CamScanner

नशा मुक्ति को प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

रुद्रपुर। शहर के एक होटल में एनआइएसडी, सामाजिक न्याय एवं सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शराब व अन्य नशे की चीजों के रोकथाम योजना के अन्तर्गत एसपीवाईएम व विकल्प द्वारा शराब व अन्य नशे प्रदार्थ व आसपास के अपासी सम्बध पर दो दिवसीय कार्यशाला का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शराब व नशे के कारण हो रहे अपराध जैसे घरेलू हिंसा, बलात्कार, हत्या, सड़क दुर्घटनाऐं जैसी अन्य समाजिक बुराईयों व इनमें निरन्तर हो रही बढ़ोत्तरी पर चिंतन किया गया व इसके कैसे रोका जाये उस पर वर्ता विमर्श भी गई। इस अवसर पर ऊधम सिंह नगर की एसएसपी रिद्विम अग्रवाल जीके कार्यो की सराहना की गई और इस कार्य के लिये उनसे हर सम्भव सहयोग का आवशसन दिया गया। इस मौके पर एसपीवाईएम से आये मनीष ने शराब व नशे के कारण होरही क्षतियों व खतरे कों कम करने व उनके निवारण के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। वही नशा

मुक्ति केन्द्र गाजियाबाद के निदेशक प्रदीप गोयल व एवं नवचेतना संस्थान नशा मुक्ति केन्द्र के निदेशक सुखवीर सिंह ने बताया कि यदि नशा मुक्ति केन्द्र अन्य एनजीओ व प्रशासनिक स्तर पर यदि एकजुट होकर इस दिशा में कार्य किया जाये तो नशा मुक्त व अपराध मुक्त समाज की स्थापना में बेहतर परिणाम प्राप्त किये जा सकते है तथा सीएसआर प्रक्रिया उद्योग जगत भी इस क्षेत्र में काफी सहायक सिद्व हो गया। इस कार्यशाला के अवसर पर नशा मुक्ति के क्षेत्र में काम कर रही संस्थाओं को भी सम्मिलित किया गया जिसमें मुख्य रुप से नवचेतना संस्थान नशा मुक्ति केन्द्र रुद्रपुर एवं रुड़की से पूनम सिंह, रोनित रोहिला एंव हरविन्दर सिंह गुरु नशा मुक्ति केन्द्र गजरौला से हरीश विकल्प नशा केन्द्र गजरौला से हरीश विकल्प नशा मुक्ति केन्द्र मुरादाबाद से परवेज एवं खलिदा अपना सहारा नशा मुक्ति केन्द्र बगवाड़ा से मुश्ताक व शहीद भगत सिंह वेलफेयर सोसायटी बिलासपुर से दलीप सिंह व हरजीत सिंह आदि ने भी उपरोक्त विषय पर अपने-अपने अनुभव साझा किये।

Scanned with CamScanner

रविवार, 04 अगस्त, 2013

नशा मुक्ति को मंथन

रूद्रपुर। होटल गंगेज में एनआइएसडी सामाजिक न्याय एवं सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शराब नशा एवं रोकथाम योजना के अंतर्गत एसपीवाईएम व विकल्प द्वारा शराब नशा व अपराध के आपसी सम्बध पर दो दिवसीय कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शराब एवं नशे के कारण हो रहे अपराध जैसे घरेलू हिंसा, बलात्कार, हत्या सड़क दुर्घटनाऐ व अन्य सामाजिक बुराईयों व इनमें निरंतर हो रही बढ़ोत्तरी पर चिंता व्यक्त की तथा इसके निदान हेतू हम क्या क्या कर सकते है मंथन किया गया। इस पर विकल्प नशा मुक्ति केंद्र गाजियाबाद के निदेशक प्रदीप गोयल व नवचेतना संस्थान नशा मुक्ति केंद्र के निदेशक सुखवीर सिंह ने शराब व अपराधों के आपसी सम्बधो पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला व उन्होंने बताया कि नशा मुक्ति केंद्र अन्य एनजीओ व प्रशासनिक स्तर पर एकजुट होकर इस दिशा में कार्य किया जाये तो नशा मुक्त अपराध मुक्त समाज की स्थापना में बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते है। इस अवसर पर मुक्ति के क्षेत्र में काम कर रही संस्थाओं को भी सम्मिलित किया गया। मुख्य रूप से नवचेतना संस्था नशा मुक्ति केंद्र रूद्रपुर एवं रूड़की से पूनम सिंह रोनित रोहिल्ला एवं हरविंदर सिंह गुरू नशा मुक्ति केंद्र गजरौला से हरीश , विकल्प नशा मुक्ति केंद्र मुरादाबाद से परवेज एवं खालिदा अपना सहारा नशा मुक्ति केंद्र बगवाड़ा से मुश्ताक व शहीद भगत सिंह वेलफेयर सोसायटी बिलासपुर से दलीप सिंह व हरजीत सिंह आदि ने भी उपरोक्त विषय पर अपने अनुभव दिये।

Scanned with CamScanner

नशे की रोकथाम को कार्यशाला आयोजित

रुद्रपुर,4अगस्त। एनआईएसडी, सामाजिक न्याय एवं सहकारिता मंत्रालय द्वारा नशे की रोकथाम के लिए दो दिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसएसपी रिद्धिम अग्रवाल ने कहा कि इस दिशा में विभिन्न संगठनों द्वारा किये जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। एसपीवाईएम के मनीष ने शराब एवं नशे के कारणों से हो रहे खतरों को कम करने व उनके निवारण की जानकारी दी। विकल्प नशा मुक्ति केंद्र गाजियाबाद के निदेशक प्रदीप गोयल व नवचेतना संस्थान नशा मुक्ति केंद्र के निदेशक सुखवीर सिंह ने शराब नशा एवं अपराध के आपसी संबंधों पर विस्तार से जानकारी दी और इसके खिलाफ एकजुट होकर कार्य करने का आहवान किया। इस मौके पर पूनम सिंह, हरविंदर सिंह, हरीश कुमार, परवेज, खालिदा, मुश्ताक, दलीप सिंह व हरजीत सिंह थे।

Scanned with CamScanner

दैनिक जागरण
मुरादाबाद
मुरादाबाद, 1 जून, 2010

सोमवार को महानगर में नशा विरोधी रैली निकालते लोग।

पदयात्रा के जरिए गिनाए तंबाकू के खतरे

मुरादाबाद, कार्यालय : विश्व तंबाकू दिवस पर मद्यनिषेध विभाग के तत्वावधान में पदयात्रा निकाली गई। वहीं तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय में डेंटल कालेज के छात्रों ने लघु नाटिका प्रस्तुत कर तंबाकू के घातक परिणामों से आगाह किया।

पदयात्रा हुसैन ग्रामोद्योग सेवा समिति व विकल्प नशा मुक्ति केंद्र पाकबड़ा के सहयोग से चक्कर की मिलक, पीटीसी कैंपस, शाह बुलाकी ... से होते हुए आर आर पब्लिक स्कूल में संपन्न हुई। पदयात्रा में बच्चे तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों के बैनर हाथ में लिए चल रहे थे। पदयात्रा के बाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें बीड़ी, सिगरेट, गुटखा व पान मसाला खाने वाले लोगों को इससे होने वाली बीमारियों के बारे में अवगत कराया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मण प्रसाद खन्ना, जगदीप सिंह, मद्यनिषेध अधिकारी राम लोटन ..., जिला मद्यनिषेध अधिकारी ..., आरआर पब्लिक स्कूल के प्रबंधक कृष्ण अवतार, एसएस ..., रियासत हुसैन, प्रदीप गोयल, अख्तर हुसैन, कमर अब्बास नकवी मौजूद थे।

टीएमयू में नाटिका व चक्कर की मिलक में निकाली पदयात्रा

तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के कम्युनिटी डेंटिस्ट्री के छात्रों ने इंजीनियरिंग कालेज में नाटिका प्रस्तुत कर तंबाकू के खतरों से आगाह किया। इस मौके पर कुलाधिपति सुरेश जैन, इंजीनियरिंग कालेज के निदेशक आर.के. पांडे, डेंटल कालेज के डायरेक्टर एमपी जैन ने छात्रों के प्रयास को सराहा। कम्युनिटी विभाग की डा. ... पाईवी, डा. मोहित ..., डा. ... मेहरोत्रा ने सहयोग किया।

अवाम-ए-हिन्द
नई दिल्ली मंगलवार, 1 जून 2010

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

रैली निकालकर बताए तम्बाकू के नुकसान

अ.हि.ब्यूरो

मुरादाबाद,31 मई। विश्व मद्यनिषेध दिवस के अवसर पर आज मद्यनिषेध विभाग के तत्वावधान में हुसैन ग्रामोद्योग सेवा समिति व विकल्प नशा मुक्ति केन्द्र के सहयोग से एक पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा में शामिल विभागीय अधिकारियों एंव गणमान्य नागरिकों ने तम्बाकू के दुष्परिणामों से जनता को अवगत कराया। नवकर की मिलक स्थित आर. आर. पब्लिक इंटर कालेज से प्रारम्भ हुई पदयात्रा विभिन्न मार्गों पर होती हुई वापिस कालेज पहुंचकर समाप्त हुई। पदयात्रा में शामिल विभागीय अधिकारी एंव गणमान्य नागरिक तम्बाकू के दुष्परिणामों से होने वाले रोग विभागीय चार्ट व बैनरो द्वारा प्रदर्शित किये जा रहे थे। प्रसिद्ध समाजसेवी लक्ष्मण प्रसाद खन्ना ने पदयात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर आर.एस. पब्लिक इंटर कालेज में तम्बाकू के दुष्परिणामों पर एक गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। गोष्ठी में विभागीय अधिकारियों एंव गणमान्य नागरिकों ने तम्बाकू के दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय मद्यनिषेध अधिकारी राम लोटन राजवंशी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मण प्रसाद खन्ना एंव जगवीर सिंह एडवोकेट मौजूद रहे। गोष्ठी में जिला मद्यनिषेध अधिकारी प्रकाश सिंह गावर एंव राजेन्द्र पाल सिंह, बृज मोहन, कृष्ण अवतार शर्मा प्रबन्धक आर.एस. पब्लिक इंटर कालेज, एस.एम.ए. हाशमी, रियासत हुसैन, प्रदीप गोयल, अख्तर हुसैन, कमर अब्बास नकवी आदि ने भाग लिया। सभी ने तम्बाकू से बनी चीजों जैसे गुटखा, सिगरेट व बीड़ी आदि के सेवन से मनुष्य के शरीर पर पड़ने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया। क्षेत्रीय मद्यनिषेध एंव समाजोत्थान अधिकारी मुरादाबाद क्षेत्र मुरादाबाद रामलोटन राजवंशी ने सभी का आभार व्यक्त किया। वहीं दूसरी ओर अनेक सार्वजनिक स्थानों पर लोग धूम्रपान करते हुए भी देखे गये। ऐसे लोग समाज और राष्ट्र के लिये शुभ संकेत नहीं है। सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करने वालों के लिये कड़ी से कड़ी कार्यवाही होना नितान्त आवश्यक है, उसके लिये जन जागरूकता अभियान को और गति देने की आवश्यकता है।

मद्यनिषेध दिवस पर निकाली गयी रैली में शामिल लोग।

राष्ट्रीय सहारा
www.rashtriyasahara.com

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

नई दिल्ली । मंगलवार • 1 जून • 2010

मुरादाबाद : तम्बाकू निषेध दिवस पर सोमवार को महानगर में पदयात्रा निकाल कर तम्बाकू से होने वाले नुकसानों के प्रति जनजागरण का प्रयास किया गया। यह पहल भी मद्यनिषेध विभाग मुरादाबाद क्षेत्र द्वारा मात्र औपचारिकता पूरी करने को की। कोई ठोस कार्यक्रम न कर, इसके दुष्प्रभावों के प्रति कोई जागरूकता पैदा करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। यह बात सर्वमान्य सत्य और वैज्ञानिक कसौटी पर परखी जा चुकी है कि तम्बाकू का प्रयोग किसी भी दृष्टि से सेहत के लिए ठीक नहीं है। सही मायनों में धुएं का एक-एक कश एक-एक पल मौत को करीब लाता है। मद्य निषेध विभाग मुरादाबाद तो दिवस मनाने की छोटी सी औपचारिकता निभाकर अलग जा बैठा है।

Scanned with CamScanner

4 राष्ट्रीय सहारा www.rashtriyasahara.com

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

नई दिल्ली । मंगलवार • 1 जून • 2010

मुरादाबाद : तम्बाकू निषेध दिवस पर सोमवार को महानगर में पदयात्रा निकाल कर तम्बाकू से होने वाले नुकसानों के प्रति जनजागरण का प्रयास किया गया। यह पहल भी मद्यनिषेध विभाग मुरादाबाद मंडल द्वारा मात्र औपचारिकता पूरी करने को की। कोई ठोस कार्यक्रम न कर, इसके दुष्प्रभावों के प्रति कोई जागरूकता पैदा करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। यह बात सर्वमान्य सत्य और वैज्ञानिक कसौटी पर परखी जा चुकी है कि तम्बाकू का प्रयोग किसी भी दृष्टि से सेहत के लिए ठीक नहीं है। सही मायनों में धुएं का एक-एक कश एक-एक पल मौत को करीब लाता है। मद्य निषेध विभाग मुरादाबाद तो दिवस मनाने की छोटी सी औपचारिकता निभाकर अलग जा बैठा है।

Scanned with CamScanner

जागरूकताः तंबाकू निषेध दिवस पर मुरादाबाद में सोमवार को रैली निकाली गई। दूसरी ओर गुटखा और सिगरेट की होली जलाकर जागरूक किया गया।

गुटखा, सिगरेट की जलाई होली

मुरादाबाद। राष्ट्रीय जनता दल ने विश्व तंबाकू रहित दिवस पर रेलवे स्टेशन के सामने मार्ग जाम कर गुटखा, सिगरेट तंबाकू आदि की होली जलाई।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष योगेश्वर दयाल तुरैहा ने कहा कि गुटखा आदि के सेवन से मनुष्य को कैंसर जैसी प्राण घातक बीमारियां होने की आशंका बनी रहती है। इस मौके पर वक्ताओं ने इनसे होने वाले खतरों की बाबत जानकारी दी।

उन्होंने आम जनता से ऐसे नशीले पदार्थों का सेवन न करने की अपील की। इस मौके पर राजद के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शन करने वालों में रमा यादव, शांती देवी, मनीष तुरैहा, राजेंद्र बिश्नोई, राजेंद्र आर्य, करन सिंह आदि मौजूद रहे।

कुलाधिपति, इंजीनियरिंग कालेज के निदेशक प्रो.केके पांडेय, डेंटल कालेज के डायरेक्टर एसपी जैन ने छात्रों की प्रशंसा की। डा.अश्विनी चार्ट भी, डा.मोहित खन्ना, डा.रचित मेहरोत्रा ने सहयोग किया। अभिजीत, रोहित, श्वेता, अंकिता, अंकित, मलकीत, गरिमा आदि ने भाग लिया।

मद्यनिषेध विभाग के तत्वावधान में पदयात्रा निकाली गई। आरएस पब्लिक इंटर कालेज में गोष्ठी आयोजित हुई। अध्यक्षता क्षेत्रीय मद्यनिषेध अधिकारी रामलौटन रजवंशी ने की। मुख्य अतिथि लक्ष्मण प्रसाद खन्ना व जयवीर सिंह थे। प्रकाश सिंह गाबर, राजेंद्र पाल सिंह, बृजमोहन, कृष्ण अवतार शर्मा, एसएमए हाशमी, रियासत हुसैन, प्रदीप गोयल, अख्तर हुसैन, कमर अब्बास नकवी आदि ने भाग लिया।

शाह टाइम्स

मुरादाबाद समाचार

5

मुरादाबाद, सोमवार 31 मई 2010

संक्षिप्त समाचार

नशा मुक्ति केन्द्र पर बैठक का आयोजन

[illegible] केन्द्र पर [illegible] किया गया [illegible] को नशे से [illegible] बताये कुछ [illegible] नशा मुक्ति [illegible] कि दोपहर [illegible] का आयोजन [illegible] अतिथि श्री [illegible] मिटिंग का [illegible] ने किया मिटिंग [illegible] को नशे [illegible] उससे बचने के लिए [illegible] दिया गया नशे [illegible] नुकसानों को बताया गया [illegible] इस मिटिंग में नशे से [illegible] 50 मरीज उपस्थित थे [illegible] भाई ने बताया कि [illegible] पर [illegible] व्यक्तियों का [illegible] करते हैं।

गाजियाबाद, शुक्रवार 24 जुलाई , 2009
मेरठ, लखनऊ एवं गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 20 से अधिक जनपदों से प्रसारित
स्थापित : 1944 वर्ष 1 अंक-273 RNI No. UPHIN/2008/28019
e-mail-dainik.prabhat@gmail.com पृष्ठ 8 (आठ) मूल्य : एक रूपया

नशे के प्रति जागरुकता जरूरी :प्रदीप

गाजियाबाद (प्रभात)। नशा समाज के लिए अभिशाप बन चुका है। नशे के आदी लोगों को समाज घिनौनी नजरों से देखता है। नशा मुक्ति के क्षेत्र में एक विकल्प नामक संस्था पिछले 6 सालों से कार्य कर रही है। लोगों को नशा मुक्ति के लिए जागरूक करने हेतु इस संस्था ने एक अभियान चलाया है। जिसमें नशा करने से होने वाले नुकसान व मुक्ति के लिए लोगों को जागरूक किया जायेगा। यह जानकारी सी.सी.ए.ए. ट्रस्ट के संस्थापक एवं निदेशक प्रदीप गोयल ने एक प्रेसवार्ता के दौरान दी। प्रदीप गोयल ने बताया कि संस्था द्वारा पूर्व में हरियाणा, पंजाब व एनसीआर सहित दिल्ली में नशे से संबंधित काफी कार्य किया जा चुका है। फिलहाल गाजियाबाद व मुरादाबाद में संस्था के सफल सेंटर चल रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली, हरियाणा एवं राजस्थान में सेंटर खोलने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद सेंटर पर 33 और मुरादाबाद सेंटर पर 20 मरीजों का मानसिक, शारीरिक व अध्यात्मिक दृष्टि से मजबूत बनाकर नशेबाजों के सम्पूर्ण पुनर्वास के लिए समाज के साथ जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। गोयल ने बताया कि इसके लिए तीन से नौ माह तक का समय लगता है। नशा मुक्ति केन्द्र में मरीजों को नियमित व्यायाम, योग व अध्यात्मक के जरिये उनकी मानसिक दशा को बदलने की कोशिश की जा सकती है। शुरुआती समय में मरीजों का इलाज आयुर्वेदिक दवाईयों से किया जाता है। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था अब तक 280 मरीजों का सफल इलाज कर समाज की धारा से जोड़ चुकी है। इसके लिए नशा छोड़ चुके अनुभवी लोगों व समाजसेवियों द्वारा संस्थान की देखरेख की जाती है। साथ ही अशिक्षित लोगों को शिक्षा देने का भी कार्य अनुभवी लोगों द्वारा किया जाता है। विकल्प संस्था का संचालन कर रहे नितिन गुप्ता ने बताया कि वह भी काफी सालों तक नशे के आदी रह चुके हैं। अब अपने अनुभवों के आधार पर लोगों को इस बीमारी से निजात दिलाने के लिए भरसक प्रयास करते हैं। संस्था का एक संकल्प है कि नशे के आदी हो चुके लोगों को इससे बाहर निकाल कर नया जीवन जीने के लिए प्रेरित करें। इस मौके पर प्रदीप गोयल, दीपक मिश्रा, नितिन गुप्ता, मनीष अग्रवाल, जावेद खान आदि।

Scanned with CamScanner

गाजियाबाद, शुक्रवार 24 जुलाई , 2009

मेरठ, लखनऊ एवं गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 20 से अधिक जनपदों से प्रसारित

स्थापित : 1944 वर्ष 1 अंक-273 RNI No. UPHIN/2008/28019

e-mail-dainik.prabhat@gmail.com पृष्ठ 8 (आठ) मूल्य : एक रुपया

जानकारी दे प्रदीप गोयल।

शुक्रवार
24 जुलाई 2009 | दैनिक युग करवट गाजियाबाद

5

हरसांव में पत्रकारों से बातचीत करते सीसीएए टूरिस्ट संस्था के पदाधिकारी।

Scanned with CamScanner

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 2009 जागरण

नशा मुक्ति का लिया संकल्प

विकल्प नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र की चौथी वर्षगांठ दिवस पर पत्रकारों से वार्ता करते संस्था के संस्थापक प्रदीप गोयल। जागरण

कहा, जल्द ही अन्य राज्यों में संचालित किया जाएगा

गाजियाबाद, जासंवें : नशे ने इस तरह आगोश में जकड़ा कि पूरा परिवार ही छिन्न भिन्न हो गया। जब नशा छूटा तो संकल्प लिया कि जीवन भर लोगों को नशे से छुटकारा दिलाने के लिए तत्पर रहूंगा। यह कहना था, विकल्प नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के संस्थापक प्रदीप गोयल का।

वृहस्पतिवार को गोयल ने विकल्प नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के चौथे स्थापना दिवस पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि इस समय केंद्र में प्रदेश के कई जिलों से आए 35 लोग नशे से दूर रहने के लिए स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

जल्द ही पंजाब, हरियाणा, राजस्थान में नशा मुक्ति केंद्र संचालित किया जाएगा। इस दौरान वैज्ञानिक सतीश अग्रवाल, नितिन गुप्ता, दीपक मिश्रा, कांता रावत आदि उपस्थित थे।

Scanned with CamScanner

METRO

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 2009
DLA

जहां भरा जाता है जीने का विश्वास

- हरसांव में चलाया जा रहा है संकल्प नशामुक्ति केंद्र
- सरकार की मदद बगैर चला रहे हैं नशा छोड़ने वाले

गाजियाबाद। एक विश्वास जीने के तरीके को बदल देता है और कभी कभी दूसरों के लिए प्रेरणा बन जाता है। नशा किसी भी समाज के माथे पर कलंक के समान होता है और उसे करने वाले हर कलंक को और गाढ़ा करते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि पीने वाले के मन में कभी अपने इस कृत्य से घृणा नहीं जागती है। हरसांव में संकल्प नशामुक्ति केंद्र चलाने वाले प्रदीप गोयल की कहानी भी कुछ ऐसी है। नशे की लत में पड़कर सड़क पर पहुंचने वाले प्रदीप ने अपने एक साथी से प्रेरणा से न केवल नशे के जाल से खुद को बाहर निकाला, बल्कि समाज में गहरी जड़ें जमा चुकी इस सामाजिक समस्या को मिटाने का निर्णय भी कर लिया। सीसीएए ट्रस्ट के अंतर्गत नशामुक्ति केंद्र को आवासीय सुविधाओं के साथ शुरू करने की चौथी वर्षगांठ पर आयोजित प्रेसवार्ता में संस्था के निदेशक प्रदीप गोयल ने बताया कि इसकी शुरूआत उन्होंने 2001 में थी। पहले यहां केवल परामर्श और दवाएं दी जाती थीं, लेकिन 2005 से इसे आवासीय नशामुक्ति केंद्र बना दिया गया। इस समय केंद्र में 33 लोगों का उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि नशा केवल शारीरिक नहीं बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक बीमारी है। अब तक यहां से हजारों रोगी ठीक होकर समाज में अपनी खोई प्रतिष्ठा वापस पा चुके हैं। अब इस केंद्र की शाखाओं को दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में खोलने की तैयारी चल रही है। हालांकि इस केंद्र को चलाने के लिए उन्हें किसी भी प्रकार की सरकारी सहायता नहीं मिलती है। रोगियों से ली जाने वाली फीस के बल पर ही केंद्र का संचालन किया जा रहा है। इस अवसर पर नितिन गुप्ता और दीपक मौजूद रहे।

नशा मुक्ति केंद्र की जानकारी देते प्रदीप गोयल, साथ में दीपक और नितिन।

Scanned with CamScanner

हमारा महानगर
नई दिल्ली, शनिवार 1 मई 2010
www.hamaramahanagar.com

नशा मुक्ति केंद्र ने मनाया रिकवरी दिवस

महानगर संवाददाता

गाजियाबाद

गुरुवार को नशे का विकल्प पैदा करने वाली संस्था सीसीएए ट्रस्ट द्वारा गांव हरसांव स्थित नशा मुक्ति केंद्र पर रिकवरी डे मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक प्रदीप गोयल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति नशे की लत से परेशान रहता है। बस जरूरत है उसे सही राह दिखाकर दोबारा जीवन की मुख्यधारा में लाने की, और इसी का प्रयास करती है हमारी यह संस्था। गोयल ने बताया कि देश में हमारी चार संस्थाएं चल रही हैं। इनमें से एक संस्था गांव हरसांव में स्थित है। इस शाखा को चलाने वाले नितिन गुप्ता एक समय स्वयं नशे के बहुत बड़े आदी थे। तीन वर्ष पूर्व उनको हमारी संस्था में शराब छुड़वाने के लिए लाया गया था। संस्था के प्रयास से नितिन गुप्ता ने न सिर्फ शराब को छोड़ दिया बल्कि आज वह स्वयं भी संस्था का संचालन करके अनेक लोगों को शराब की इस बुरी लत से निकालने के प्रयास में लगे हुए हैं। आज का यह रिकवरी दिवस उनके द्वारा शराब को छोड़ने के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है। वर्तमान में नितिन गुप्ता स्वयं नशा मुक्ति केंद्र में इंचार्ज की भूमिका निभा रहे हैं। संस्था द्वारा रिकवरी डे मनाए जाने के अवसर पर संस्था के निदेशक प्रदीप गोयल, दीपक मिश्रा, कांता रावत, विजय पाल आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे।

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय आईना

नशा मुक्ति केन्द्र ने मनाया रिकवरी बर्थडे

संवाददाता

गाजियाबाद, 1 मई। इरसाद स्थित विकल्प नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र में रिकवरी बर्थडे मनाया गया। नितिन गुप्ता नाम के एक व्यक्ति के नशे की लत को छोड़े तीन साल पूरे करने पर उसका रिकवरी बर्थडे मनाया गया।

इस मौके पर नितिन गुप्ता ने नशा मुक्ति केन्द्र के अन्य मरीजों के साथ अपने अनुभव बांटे। नितिन नशा मुक्ति केन्द्र में इंचार्ज के तौर पर मरीजों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। रिकवरी बर्थडे के मौके पर संस्था के निदेशक प्रदीप गोयल, दीपक मिश्रा, कांता रावत, विजय पाल, आदि लोग मौजूद रहे।

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय सहारा । 7

नई दिल्ली । शनिवार • 1 मई • 2010

फटाफट खबरें

गाजियाबाद/आसपास

धूमधाम से मना रिकवरी बर्थडे

गाजियाबाद। हरसांव स्थित विकल्प नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में नशे की लत से दूर हुए नितिन गुप्ता के नशा छोड़े तीन साल पूरा होने पर उनका रिकवरी बर्थडे धूमधाम से मनाया। इस मौके पर श्री गुप्ता ने अपने अनुभवों को मरीजों के साथ बांटा।

Scanned with CamScanner

अमर उजाला नई दिल्ली, रविवार, 1 फरवरी, 2009

अनचाहे नशे की गर्त में जा रहे हैं टीनएजर्स!

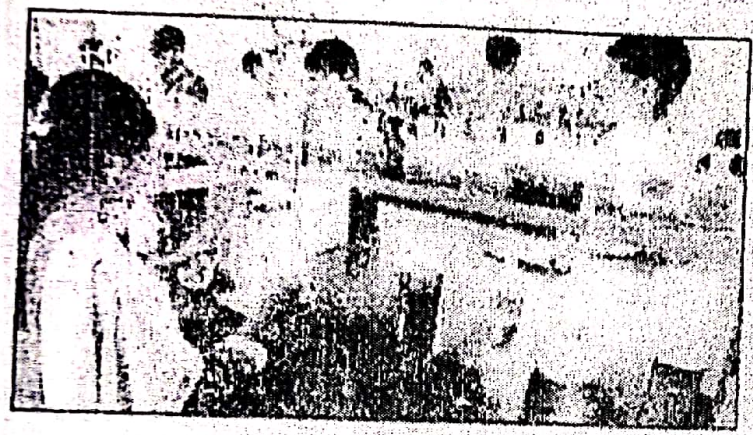

मूड बदलने के लिए हो रहे आदी

मनोविशेषज्ञ डा. कुसुम गुप्ता और डा. केपी सक्सेना का कहना है कि नशा मूड बदलने के लिए अपना रहे हैं। दिमाग में चल रही उलझनों को भूलने के लिए, असफलता, पारिवारिक असंतोष, धोखा, अतृप्त इच्छाएं, अवसाद, तनाव आदि से बचने को नशे का प्रयोग सबसे ज्यादा युवाओं में बढ़ रहा है।

गाजियाबाद। कक्षा 11 की यशिका को लंच के बाद लड़खड़ाते देखकर शहर के एक प्रतिष्ठित स्कूल प्रबंधन के होश उड़ गए। आनन-फानन में चिकित्सक को बुलाया गया तो पता चला कि केमिस्ट्री की लैब में स्पिरिट और थिनर ज्यादा सूंघने से मस्तिष्क पर असर पड़ा है, जिससे उसे नशा का गया। स्कूल प्रबंधन ने तुरंत लैब में मौजूद रसायनों की सुरक्षा और प्रयोग को लेकर एहतियात बरतनी शुरू कर दी।

यशिका की तरह कई ऐसे टीएनएजर्स हैं जो खुद को नशे की चपेट में आने से नहीं रोक पा रहे हैं। हायर एजूकेशन के साथ ही दसवीं से बारहवीं के विद्यार्थी तेजी से नशे की चपेट में आ रहे हैं। टीचर्स और अभिभावकों को इसकी भनक तक नहीं लगती और टीनएजर्स केमिकल्स के एडिक्ट हो रहे हैं। शहर में स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में इलाज कराने वाले मरीजों में 100 में से 20 महिलाएं शामिल हैं।

गोविंदपुरम स्थिम नशा मुक्ति केंद्र में अब तक 200 से ज्यादा 15 से 40 आयु वर्ग के लोगों को नशे से दूर किया जा चुका है। लगभग 20 युवाओं को नशामुक्त करने की मुहिम जारी है।

नशा कैसा-कैसा...

नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र 'विकल्प' के संचालक प्रदीप गोयल की मानें तो बदलते समय में नशे के तरीके काफी तेजी से बदल रहे हैं। पुराने नशे के तरीकों जैसे शराब, स्मैक, चरस, गांजा, अफीम, भांग, कैप्सूल, इंजेक्शन, टिंचर, फ्लूड की आदत युवाओं, किशोरो में बढ़ रही है। ब्रेड स्लाइस पर आयोडेक्स, तंबाकू, शराब, गुटका, पान, खैनी, नींद की गोलियां, स्मैक, चरस, गांजा, अफीम, भांग, टाइपराइटर का फ्लूड, कफ सिरप, विक्स, अन्य तेज बाम, पेन किलर, पेट्रोल, आदि का प्रयोग करने में भी युवा पीछे नहीं हैं।

Scanned with CamScanner

हिन्दुस्तान गाजियाबाद, मंगलवार 27 जनवरी 2009

पुलिस लाइन में कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

गाजियाबाद। विकल्प नशा मुक्ति एवं पुर्नवास केंद्र द्वारा गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर ध्वजारोहण के साथ-साथ देशभक्ति से प्रेरित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

Scanned with CamScanner

4 NBT Ghaziabad

आपका शहर

[illegible]

एनबीटी न्यूज गाजियाबाद : विकल्प नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र ने गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया। केंद्र से जुड़े सदस्यों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कल्चरल प्रोग्राम्स में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। नशा छोड़ चुके लोगों ने नशे से समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर आधारित नाटक का मंचन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पार्षद कमलेश यादव ने ध्वजारोहण से किया। नाटक की प्रस्तुति करने वालों में विशेष रूप से प्रकाश मुरसलिम, किशन, परवेज और मनोज शामिल रहे। भूतपूर्व पार्षद भूप सिंह ने भी नशा खत्म करने के लिए केंद्र के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर नशा मुक्ति केंद्र के संचालक प्रदीप गोयल, सतीश गोयल, नितिन गुप्ता, संदीप कपूर भी उपस्थित थे।

मंगलवार जनवरी 27 2009

गाज़ियाबाद, रविवार, 25 जनवरी 2009 (8)

दैनिक प्रभात

नशा मुक्ति केन्द्र पर सेमिनार आयोजित

गाजियाबाद (प्रभात)। प्रेस कांग्रेस ऑफ इंडिया व विकल्प नामक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में नशा मुक्ति को लेकर एक सेमिनार आयोजित की गई। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कालेज में आयोजित इस सेमिनार में लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। इस गोष्ठी में विकल्प संस्था के चेयरमैन प्रदीप गोयल ने कहा कि नशा एक ऐसी बीमारी है जिसने मनुष्य का मान. सिक आर्थिक व शारीरिक शोषण के साथ-साथ सामाजिक पतन भी होता है. नशे की लत पड़ने पर मनुष्य की अच्छा बुरा सोचने की शक्ति खत्म हो जाती है। प्रेस कांग्रेस के प्रवक्ता विभू मिश्रा ने बताया कि नशा उन्मूलन 2009 की शुरुआत की दी गई है। इस अभियान में नशे के शिकार लोगों को उन लोगों के अनुभवों से अवगत कराया जाएगा जिनका जीवन नशे से बर्बाद हो चुका है। साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी संस्था पूरे साल नुक्कड़ नाटक व रैलियों के माध्यम से लोगों को जागरूक करेगी। कार्यक्रम के इस अवसर पर प्रेस कांग्रेस के अध्यक्ष वीके मिश्रा, दीपक मिश्रा, कुमुद मिश्रा व इंद्रप्रस्थ के डायरेक्टर एलआर कद्दू मौजूद रहे।

4 दैनिक जागरण नई दिल्ली, 24 जनवरी, 2009

नशा मुक्ति अभियान से किया लोगों को जागरूक

साहिबाबाद, जासकें : नशा एक बीमारी है, इससे बचें। यह ऐसी बीमारी है जो मनुष्य को मानसिक, आर्थिक और शारीरिक रूप से खोखला कर देती है। खुद के साथ ही परिवार के अन्य लोगों को भी नहीं छोड़ती। इससे सिवाय पतन के और कुछ नहीं मिलता। ऐसे वक्तव्य नशा उन्मूलन अभियान-2009 के तहत इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में रखे गए। यंग कांग्रेस ऑफ इंडिया तथा विकल्प (नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम की खास बात यह रही कि नशे से मुक्ति पा चुके लोगों ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना है। जिलाध्यक्ष विभू मिश्रा ने बताया कि यह कार्यक्रम वर्ष भर चलेगा, जिसे पहले संस्थानों, फिर आरडब्ल्यूए, स्कूलों व सरकारी विभागों आदि पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में नशा कैसी बीमारी, कैसे-कैसे नशे, नशे की आदत, नशा न मिलने पर व्यवहार व मुक्ति कैसे संभव आदि विषयों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर वीके मिश्रा, प्रदीप गोयल आदि उपस्थित रहे।

Scanned with CamScanner

अमर उजाला | नई दिल्ली, शनिवार, 24 जनवरी, 2009

नशे से मुक्ति पाने वालों ने बांटे अपने अनुभव

साइट चार। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में शुक्रवार को विकल्प नशा मुक्ति केंद्र और प्रेस कांग्रेस ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में नशा उन्मूलन अभियान-09 के अंतर्गत 'नशा एक बीमारी' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर नशे की लत से मुक्ति पाने वालों ने अपने अनुभव बांटे और बताया कि किस तरह उन्हें नशे की लत लगी और अब नशे से छुटकारा पाने के बाद कैसा महसूस करते हैं।

सेमिनार में नशा किस तरह की बीमारी है। कैसे कैसे नशे होते हैं। नशे की आदत कैसे लगती है। नशा नहीं मिलने पर क्या होता है। नशा बीमारी कैसे बनती है। इससे मुक्ति कैसे संभव है जैसे विषयों पर विचार रखे गए। इस मौके पर विकल्प संस्था के चेयरमैन प्रदीप गोयल पीसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीके मिश्रा मौजूद रहे। उन्होंने मौजूद लोगों को नशे से दूर रहने की सलाह दी।

आयोजन

इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में नशा मुक्ति पर सेमिनार आयोजित

सेमिनार में भाग लेने वाले अन्य लोगों में संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी एचआर कपूर और संदीप अग्रवाल सहित पीसीआई के जिलाध्यक्ष विभू मिश्रा मौजूद रहे। अजय दुबे, सतीश अग्रवाल, नितिन गुप्ता, आनंद, राजेश और दिनेश ने शराब के नशे से मुक्ति पाने के बाद अपनी आपबीती सुनाई। इस मौके पर कुमुद मिश्रा, रामवीर, नितिन, आशु, जेके शर्मा, प्रदीप, पवन कपूर, जावेद खान आदि मौजूद रहे।

Scanned with CamScanner

अमर उजाला
सोमवार 5 अगस्त

नशे के खतर बताए

रुद्रपुर। एनआइएसडी और सामाजिक न्याय एवं सहकारिता मंत्रालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नशे के कारण होने वाले घरेलू हिंसा व बढ़ते अपराध पर मंथन किया गया। रविवार को एक होटल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसएसपी रिद्धिम अग्रवाल ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अपराध व घरेलू हिंसा की रोकथाम को नशे पर रोक आवश्यक है। साथ ही विभिन्न संस्थाओं द्वारा इस ओर किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। बाद में एसपीवाईएम के मनीष ने शराब एवं नशे के कारण हो रही क्षतियों व खतरे को कम करने व उनके निवारण के बारे में जानकारी दी। विकल्प नशा मुक्ति केंद्र गाजियाबाद के निदेशक प्रदीप गोयल व नवचेतना संस्थान नशा मुक्ति केंद्र के निदेशक सुखवीर सिंह ने शराब नशा व अपराध के आपसी संबंधों पर प्रकाश डाला। ब्यूरो

Scanned with CamScanner

पुलिस विभाग हुआ गंभीर

नशे के चंगुल से मुक्त कराए जाएंगे पुलिसकर्मी

जिला पुलिस विभाग ने अब गंभीरता से नशे में जकड़े हुए जवानों को उससे मुक्त करने का निर्णय लिया है।

शिवकुमार गौड़, सिरसा

नशे में धुत होकर पुलिस की नौकरी करने वाले कर्मचारियों को अब नशे से मुक्त किया जाएगा। इसके लिए पुलिस विभाग ने जिले के सभी चिह्नित नशेड़ी कर्मचारियों को नशामुक्ति केंद्र में भर्ती कराने का निर्णय लिया है।

क्यों पड़ी जरूरत

जिला पुलिस के आला अधिकारियों के पास पुलिस कर्मचारियों द्वारा शराब के नशे में निरंतर जनता के संग दुर्व्यवहार किए जाने के मामले आने पर गंभीरता से इसे लागू करने का निर्णय लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इससे जहां एक ओर पुलिस कर्मी नशे की गर्त से मुक्त होंगे वहीं पुलिस की छवि में भी सुधार होगा। पुलिस विभाग ने इस मुहिम के चलते कुछ नशा करने वाले पुलिस कर्मचारियों की पहचान भी कर ली है और शेष की पहचान किए जाने का काम भी जारी है।

कैसे होंगे नशे से मुक्त

जिले के नशेड़ी पुलिस कर्मचारियों को नशे से मुक्त करवाने के लिए नशामुक्ति केंद्र का सहारा लिया जाएगा। इसके लिए विभाग ने रानियां स्थित नशामुक्ति केंद्र के चेयरमैन राजेंद्र सिंह से संपर्क साध लिया है। इस केंद्र में शराबी पुलिस कर्मचारियों को तीन माह तक रखा जाएगा। पुलिस विभाग के आला अधिकारियों ने इस योजना को बुधवार से ही हरी झंडी दे दी है। विभाग ने इस कड़ी में जिला भर से नशे में जकड़े 25 पुलिस कर्मचारियों को चिह्नित किया है। विभाग का मानना है कि ये पुलिस कर्मचारी ड्यूटी के दौरान भी शराब के नशे में रहते है और कई बार तो ये अपनी ड्यूटी करने मे भी सक्षम नहीं रह पाते।

पुलिस विभाग को पूरी तरह से नशामुक्त किया जाएगा ताकि जनता की ज्यादा से ज्यादा सेवा की जा सके। इसके लिए नशेड़ी कर्मचारियों की पहचान की जा रही है। ऐसे पुलिसकर्मियों को शराब की आदत छुड़ाने के लिए नशा मुक्ति केंद्र में भी भेजा जाएगा।

— विकास अरोड़ा, पुलिस अधीक्षक, सिरसा

Scanned with CamScanner

सिरसा भास्कर

हिसार, गुरुवार 28 फरवरी, 2008

डबवाली ■ ऐलनाबाद ■ रानियां ■ कालांवाली

25 पुलिसकर्मी शराबी

भास्कर न्यूज. सिरसा

आमजन की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी चौबीसों घंटे शराब के नशे में मिले तो फिर भगवान ही रखवाला है।

पुलिसकर्मियों में इस प्रकार की प्रवृत्ति बढ़ने से विभाग के आला अफसर खासा चिंतित नजर आने लगे है। इतना ही नहीं इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए कारगर कदम भी उठाना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में बुधवार यहां के सामुदायिक भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में 25 नशेड़ी पुलिस कर्मचारियों की पहचान कर उन्हें रानियां स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराने पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक विकास अरोड़ा थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएसपी मुख्यालय प्रताप सिंह यादव ने की।

नशा हर लिहाज से हानिकारक

एसपी विकास अरोड़ा ने पुलिस कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशे से शारीरिक, आर्थिक, मानसिक व सामाजिक हानि होती है। पुलिस को तो चौबीस घंटे जनता के बीच रहना होता है इसलिए पुलिस कर्मचारियों को सभी नशों से दूर रहकर ही अपने कर्त्तव्य को निभाना चाहिए। इस अवसर पर जिले के उन तमाम कर्मचारियों को यहां बुलाया गया था जो अपनी ड्यूटी टाइम में भी शराब के नशे में रहते है।

- पुलिसकर्मियों में नशे की प्रवृत्ति बढ़ने से विभाग के आला अफसर खासा चिंतित नजर आने लगे हैं।
- इस कड़ी में बुधवार यहां के सामुदायिक भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में 25 नशेड़ी पुलिस कर्मचारियों की पहचान कर उन्हें रानियां स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराने पर विचार-विमर्श किया गया।

इस प्रकार के पूरे जिले से 25 केस पाए गए है जिन्हें विभाग द्वारा रानियां स्थित अंग्रेज सिंह मेमोरियल समाज कल्याण समिति द्वारा विस्थापित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया जाएगा। केंद्र के चेयरमैन राजेंद्र सिंह ने कार्यक्रम में नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि केंद्र में पिछले कई वर्षों से अनेक नशेड़ियों को नशे से मुक्ति दिलाई है। इस अवसर पर गाजियाबाद से आए कांउसलर प्रदीप सिंह गोयल ने भी नशे की हानियों के बारे में बताते हुए कहा कि इससे मानसिक, आर्थिक व सामाजिक पतन होता है। कार्यक्रम में एएसपी सज्जन सिंह समेत अनेक पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

Scanned with CamScanner

दैनिक जागरण

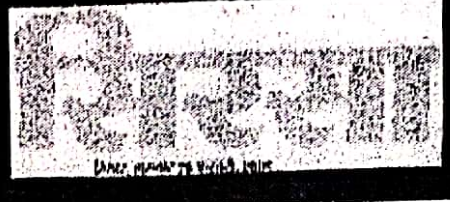

नशा मुक्ति केंद्र भेजे जाएंगे पुलिसकर्मी

सिरसा, जागरण संवाददाता : नशे के आदी पुलिस कर्मचारियों को इस बुराई से दूर करने के लिए पुलिस प्रशासन एक नई पहल कर रहा है। पुलिस कर्मचारियों का नशा छुड़ाए जाने के लिए उन्हें साधारण ड्यूटी से हटाकर नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करवाया जाएगा। नशा मुक्ति केंद्र में कर्मियों को भेजने का कार्य आज से शुरू हो गया है। नशे की लत के आदी कर्मचारियों से आज पुलिस अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रूबरू भी हुए। जानकारी के अनुसार सिरसा के पुलिस अधीक्षक ने शराब का अधिक सेवन करने वाले पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी में कोताह पाया है।

इसी के चलते पुलिस अधीक्षक ने पहले पुलिस कर्मचारियों का नशा छुड़ाए जाने का निर्णय लिया है और नशा कानूनी बाध्यता के दायरे में नहीं बल्कि काउंसलिंग की मदद से छुड़वाया जाएगा। रानियां में चल रहे सरदार अंग्रेज सिंह सिद्धू मेमोरियल समाज कल्याण समिति के नशा मुक्ति केंद्र में पुलिस कर्मचारियों को भर्ती करवाया जाना है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि समिति की ओर से नशा छोड़े जाने के लिए तीन माह तक का कोर्स करवाया जा रहा है और इस कोर्स के बहुत ही अच्छे परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि यहां नशा छुड़ाए जाने के लिए व्यक्ति की आदत बदले जाने पर जोर दिया जा रहा है इसीलिए पुलिस कर्मचारियों को इसी केंद्र में भर्ती करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई बार उनके सामने शिकायत आती है कि पुलिस कर्मचारी नशे में था जो कि भविष्य में नहीं आएगी। उन्होंने बताया कि नशे के आदी 10-10 पुलिस कर्मचारियों का बैच इसी केंद्र में भेजा जाएगा जहां उनकी नशे की आदत छुड़ाई जानी है। नशा मुक्ति केंद्र के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने बताया कि उनके यहां पचास आदमियों का इलाज एक साथ किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि नशे को किसी गोली या दवा के सहारे नहीं छोड़ा जा सकता बल्कि इसे छोड़ने के लिए आत्मविश्वास की जरूरत होती है।

उनका केंद्र शारीरिक थकावट दूर कर यही आत्मविश्वास शराबी के अंदर पैदा करता है। नशा मुक्ति केंद्र से जुड़े गाजियाबाद के सलाहकार प्रदीप गुप्ता कि उन्होंने दिल्ली में एक ऐसी संस्था बना रखी है जिसके सभी सदस्य शराब के नशे की गिरफ्त में रहे हैं लेकिन अब वे सभी नशे से घृणा करने लगे हैं न कि शराबी से। उन्होंने कहा कि किसी का नशा छुड़ाया जा सकता है चाहे वह कितना ही पुराना नशे का आदी क्यों न रहा हो।

Scanned with CamScanner

नशे से तौबा करेंगे पुलिस के जवान

20 पुलिस जवानों ने शराब पीने की बात कबूली

सिरसा, 27 फरवरी (ब्यूरो) : शराब पीने के आदी पुलिस जवानों को अब सुधारा जाएगा। पुलिस अधीक्षक के प्रयासों से ऐसे पुलिस जवानों को सुधारने की दिशा में कवायद भी शुरू कर दी गई है। इस कड़ी में आज पुलिस लाइन के सामुदायिक केंद्र में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक मुख्यातिथि के तौर पर शामिल हुए और नशामुक्ति केंद्र रानियां के संचालक तथा गाजियाबाद से आए विशेषज्ञों ने नशा करने वाले पुलिस जवानों को प्रेरित किया। करीब 20 पुलिस जवानों ने शराब पीने की बात कही और कहा कि वे अब इस बुराई को त्यागना चाहते हैं। पुलिस अधीक्षक ने इस अवसर पर कहा कि नशा नाश की जड़ है और इससे जीवन बर्बाद हो जाता है। न केवल नशा करने वाला बर्बाद होता है, बल्कि उसका परिवार भी परेशानियों में रहता है। उन्होंने कहा कि पुलिस जवानों का ड्यूटी के दौरान नशा करना अनुचित है। पुलिस जवानों को अपनी इस आदत को त्यागना चाहिए और निष्ठा से अपनी ड्यूटी करनी चाहिए। गाजियाबाद से आए प्रदीप गोयल व रानियां नशामुक्ति केंद्र के संचालक राजेंद्र सिद्ध ने अपने-अपने अनुभव बताए।

Scanned with CamScanner

From Addiction to De-addiction

Drug users are rarely thought of in a positive or empathic light. The very term 'drug user' provokes strong assumptions in our minds. We feel they are a 'menace' to family and society. This is not always true. With proper direction, constant support and self-effort they can be integrated into society.

ARCHANA

"Drugs cannot give you any thing, it takes away everything. Drugs control and destroy life and make you do things you would never dream of doing". These are the words of a recovering drug addict, a former sales executive, who was under the grip of multidrug abuse for almost 23 years. His story, in his own words.

My name is Pradeep Goel, aged 52 years, hailing from a well off family in Ghaziabad. Children of a Government officer; we had a pleasant life under the care of our doting mother. I have 2 brothers and 3 sisters, who are well settled abroad and India. I was educated at Bharatiya Vidya Bhawan, a well kno-wn English Medium school in Delhi. I could not continue my higher studies due to my drug habits. However, I was able to complete my graduation in Commerce and worked in Marketing for few years. I was a bright student who was always curious to know and experiment things. Perhaps this curiosity trapped me into drugs. Mine is a story worth sharing among the youth, especially who are into drugs and hoping to be free.

I was 11 years old, when I first tasted alcohol, offered by one of my best friends. I liked it and wished for more and had it whenever I got chances. It was at the age of 16 that I begun to experiment with drugs. One of my friends offered me a cigarette laced with charas, considering it macho to smoke; I liked the kick

Pradeep Goel

received instantly. Slowly I started consuming it on a regular basis then to several times a day; the high just wasn't the same. To supplement my resources, I used to pocket the money given for my traveling and I used to walk miles and miles.

When my family, relatives or friends used to forbid me I used to question them, 'If others can why can't I'? I went on... I wanted more. Since I did not want to depend on my friends for drugs I approached the agents, who provided them, so that I could directly buy them without any hassle of having middle men. Now the accessibility became easy, I could try other drugs, such as ganja, hash, brown sugar, opium, smack etc. I told about these to my friends and invited them to join me and the circle of drug users grew wider.

Now the slide down in my life began. My family members were in tears. I could not give my family support and happiness, all I gave them was sad days and tears. My studies got affected, attendance was short; I started losing my friends, family and relatives. I was out on the streets. Then one day, my right hand got paralyzed. No money, no house, no health. I was in total depression and felt powerless for the first time in my life. Only in desperation I seeks help. I began to knock at the doors of my friends, brothers and sisters, saying that I am willing to renounce drugs. They took me to various drug deaddiction centres such as Sen and Pandits in West Bengal, where my sister was residing. After a short stint there I was

Scanned with CamScanner

ARVIND JAIN

Making a mark

This Delhiite is an inspiration for all. After 20 years of drug addiction and gruelling years of rehab, **Pradeep Goyal**, 49, kicked the habit. Now the mild-mannered man, who once stole iron medians on highways to pay for his daily fix, is the project director of Kamkus Counselling, De-addiction and Rehabilitation Centre in Ghaziabad.

"As an addict at rehab I was among the lowest in society," said Goyal. "But today I feel I have come up in life. I understand the patients better as I know how an addict's mind works."

The work

Scanned with CamScanner

3 Months De-addiction training programme organized by Ministry of Social Justice & Empowerment

राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

NATIONAL INSTITUTE OF SOCIAL DEFENCE
Ministry of Social Justice & Empowerment
Government of India

प्रमाण-पत्र
CERTIFICATE

प्रमाणित किया जाता है कि श्री / ~~श्रीमती~~ / ~~कुमारी~~ प्रदीप गोयल ने नशामुक्ति परामर्श एवं पुनर्वास विषय पर राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान द्वारा नई दिल्ली में दिनांक 17 अप्रैल से 14 जुलाई 2000 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न किया।

This is to certify that Mr. / ~~Mrs.~~ / ~~Miss~~ Pradeep Goyal *has successfully completed the Certificate Training Course on DE-ADDICTION COUNSELLING AND REHABILITATION organised by the National Institute of Social Defence from* 17th April 2000 *to* 14th July 2000 *at New Delhi*

दिनांक / Dated 14/07/2000

निदेशक
राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान
Director
National Institute of Social Defence

Scanned with CamScanner

Certificate of the most famous and prestigious institute of India

HOSPITAL

T T Ranganathan Clinical Research Foundation (Regd)
17, IV Main Road, Indira Nagar, Chennai - 600 020 INDIA

CERTIFICATE

This is to certify that *Mr.Pradeep Goyal* attended a one month field training programme from 17 May to 17 June 2000, sponsored by National Institute of Social Defence, Government of India, New Delhi, organised by T T Ranganathan Clinical Research Foundation, Chennai 600 020

Shanthi Ranganathan
Honorary Secretary

21st June 2000

Scanned with CamScanner

5 Days training programme on client profiling and documentation organized by M.S.J.E.

राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

NATIONAL INSTITUTE OF SOCIAL DEFENCE
Ministry of Social Justice & Empowerment
Government of India

सत्यमेव जयते

प्रमाण–पत्र
CERTIFICATE

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ....
ने .... विषय पर राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान द्वारा
.... के सहयोग से दिनांक .... से .... तक
आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

This is to certify that Mr./Mrs./Miss ...Pradeep...Goyal...
has successfully completed the training course on Client...Profiling...and...Documentation.......................
(5 day training).......................... *organised by the National Institute of Social Defence in collaboration*
with Society for the Promotion of Youth and Masses *from* ......15th.......... *to* 19th Dec./03 *at* New Delhi........

प्रशिक्षण कार्यक्रम निदेशक
Course Director
दिनांक/Date..............

SPYM
Delhi
SOCIETY FOR THE PROMOTION OF YOUTH & MASSES

(G.K. Dev Varma)
निदेशक / Director

Scanned with CamScanner

Given as appreciation for organizing and implementing successfully **AASRA'S T.C.** *Programme*

DELHI PRISONS ADMINISTRATION

TIHAR ASHRAM COMPLEX

CERTIFICATE OF RECOGNITION

This certificate is Awarded to Ms. Pradip Goyal

in appreciation of outstanding contribution & dedication for

running AASRA'S therapeutic community for drug addicts

I.G. (PRISONS) D.I.G. (PRISONS) R.M.O. SUPERINTENDENT

Scanned with CamScanner